श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 256, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 12 अक्टूबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

'महाकाल लोक' राष्ट्र को समर्पित

15 फीट ऊंचे शिवलिंग से मोदी ने आवरण हटाया, अध्यात्म का नया आंगन भक्तों के लिए खुला

उज्जैनः जय महाकाल.. ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जब उज्जैन में ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर के नए परिसर 'महाकाल लोक' का लोकार्पण किया, तो चारों ओर इसी जयघोष की गूंज सुनाई दी। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रक्षा सूत्र (कलावे) से बनाए गए 15 फीट ऊंचे शिवलिंग की प्रतिकृति से मोदी ने रिमोट के जरिए जैसे ही आवरण हटाया, अध्यात्म का यह नया आंगन सभी के लिए खुल गया। लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, महाकाल महादेव, महाकाल महाप्रभु, महाकाल महारुद्र, महाकाल नमोस्तुते। महाकाल लोक में लौकिक कुछ भी नहीं है, शंकर के सान्निध्य में साधारण कुछ भी नहीं, सब कुछ अलौकिक है। महाकाल का आशीर्वाद जब मिलता है तो काल की रेखाएं मिट जाती हैं। पिछले कुंभ में मुझे उज्जैन आने का सौभाग्य मिला था। भला ऐसे कैसे हो सकता है कि महाकाल बुलाएं और ये बेटा न आए।

इससे पहले मोदी ने महाकाल के दर्शन किए और साष्टांग मत्था टेका। महाकाल को चंदन, मोगरे और गुलाब की माला अर्पित कर जनेऊ चढ़ाया। सूखे मेवे और फल का भोग लगाया। दक्षिणा अर्पित की। वे संध्या आरती में भी शामिल हुए। महाकाल के दक्षिण दिशा में बैठकर रुद्राक्ष की माला से 3 मिनट तक जप करते हुए ध्यान लगाया। 30 मिनट तक ई-व्हीकल से 'महाकाल लोक' का अवलोकन किया। 'महाकाल लोक' प्रोजेक्ट दो फेज में 856 करोड़ रुपए की लागत से डेवलप किया जा रहा है। इसके जरिए 2.8 हेक्टेयर में फैला महाकाल परिसर 47 हेक्टेयर का हो जाएगा। इसमें 946 मीटर लंबा कॉरिडोर है, जहां से श्रद्धालु गर्भगृह पहुंचेंगे।

'महाकाल की नगरी प्रलय के प्रहार से मुक्त'

महाकाल की नगरी प्रलय के प्रहार से मुक्त है। हजारों साल पहले जब भारत का भौगोलिक स्वरूप आज से अलग रहा होगा, तब से ये माना जाता रहा है कि उज्जैन भारत के केंद्र में है। एक तरह से ज्योतिषीय गणनाओं में उज्जैन न केवल भारत का केंद्र रहा है, बल्कि ये भारत की आत्मा का भी केंद्र रहा है। ये वो नगर है, जो हमारी पवित्र सातपुरियों में से एक गिना जाता है। ये वो नगर है, जहां स्वयं भगवान कृष्ण ने भी आकर शिक्षा ग्रहण की। उज्जैन ने महाराजा विक्रमादित्य का प्रताप देखा है। महाकाल की इस धरती से विक्रम संवत के रूप में भारतीय कालगणना का एक नया अध्याय शुरू हुआ था। उज्जैन के पल-पल में इतिहास सिमटा हुआ है। कण-कण में अध्यात्म है। कोने-कोने में ईश्वरीय ऊर्जा संचारित हो रही है। यहां काल चक्र का 84 कल्पों का प्रतिनिधित्स करते 84 शिवलिंग हैं। यहां 4 महावीर हैं। 6 विनायक हैं। 8

'जहां महाकाल हैं, वहां कालखंडों की सीमाएं नहीं'

पीएम ने कहा जहां महाकाल हैं, वहां कालखंडों की सीमाएं नहीं हैं। महाकाल की शरण में विश्व में भी स्पंदन होता है। महाकाल के सान्निध्य में अवसान से भी पूनर्जीवन होता है। अंत से अनंत की यात्रा प्रारंभ होती है। उज्जैन वह नगर है, जो हमारी पवित्र सात पुरियों में से एक गिना जाता है। यह वह नगर है, जहां स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने आकर शिक्षा ग्रहण की थी। उज्जैन ने महाराजा विक्रमादित्य का वह प्रताप देखा है, जिसने भारत के नए स्वर्णकाल की शुरूआत की थी। उज्जैन के क्षण-क्षण और पल-पल में इतिहास सिमटा हुआ है। कण-कण में अध्यात्म समाया हुआ है। संपूर्ण ब्रह्मांड की ऊर्जा को हमारे ऋषियों ने प्रतीक स्वरूप में उज्जैन में समाहित किया है।

'महाकाल लोक': कई पीढ़ियों को दिव्यता के दर्शन कराएगी

'महाकाल लोक' की यह भव्यता समय की सीमाओं से परे आने वाली कई पीढ़ियों को अलौकिक दिव्यता के दर्शन कराएगी। भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को ऊर्जा देगी। मैं इस अद्भुत अवसर पर राजाधिराज महाकाल महाराज के चरणों में शत-शत नमन करता हूं। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज प्रधानमंत्री ने 'महाकाल लोक' का लोकार्पण किया। हम सभी गदगद हैं। भारत अत्यंत प्राचीन व महान राष्ट्र है। 5 हजार साल से ज्यादा तो ज्ञात इतिहास है हमारा। दुनिया के विकसित देशों में जब सभ्यता के सूर्य का उदय नहीं हुआ था, तब हमारे यहां वेदों की ऋचाएं रच दी गई थीं।

अलविदा धरतीपुत्रः अखिलेश ने दी मुखाग्नि

राजनाथ-पवार-खड़गे समेत कई बड़े नेता मौजूद थे; करीबी अनिल अंबानी, सुब्रत राय और अभिषेक बच्चन भी पहुंचे

लखनऊः मुलायम सिंह यादव का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। बेटे अखिलेश यादव ने सैफई के मेला ग्राउंड पर उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के लिए मुलायम की पार्थिव देह पहली पत्नी मालती के मेमोरियल के पास बने प्लेटफॉर्म पर रखी गई थी। राजकीय सम्मान के साथ हुए अंतिम संस्कार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री भी पहुंचे। बेहद करीबी माने जाने वाले अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन मां जया के साथ पहुंचे। सहारा चीफ सुब्रत राय और उद्योगपति अनिल अंबानी ने भी अंतिम दर्शन किए।

अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे राजनाथ-रामदेव और 2 राज्यों के मुख्यमंत्रीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य और बृजेश पाठक, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस नेता कमलनाथ, मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद थे। श्रद्धांजलि देने वालों में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू, भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी और योगगुरु बाबा रामदेव भी थे। इनके अलावा राकांपा चीफ शरद पवार, उनकी बेटी सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद वरुण गांधी, मेनका गांधी, आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी, सहारा के चीफ सुब्रत राय सहारा, स्वामी प्रसाद मौर्य और अभिषेक बच्चन और उद्योगपति अनिल अंबानी भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

बारिश के बीच रातोंरात बना प्लेटफॉर्म, पत्नी के मेमोरियल के करीबः मेलाग्राउंड में 5 साल पहले तक सैफई महोत्सव होता था।

यहीं मुलायम के अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म बनाया गया था। बारिश के बीच 50 मजदूरों ने रातोंरात 30*30 फीट का प्लेटफॉर्म खड़ा किया। यह प्लेटफॉर्म मुलायम की पहली पत्नी मालती देवी के मेमोरियल के करीब ही बनाया गया। मालती देवी की 2003 में मृत्यु हो गई थी।

लाखों कार्यकर्ताओं ने लगाया नारा- नेताजी अमर रहेंः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में 3 दिन के शोक की घोषणा की है। वे सोमवार को ही सैफई पहुंचे थे और मुलायम के अंतिम दर्शन किए। बिहार में भी एक दिन का राजकीय शोक था। मेदांता में सोमवार सुबह 8:16 बजे निधन के बाद जब नेताजी का शव सैफई लाया गया तो घर पर हजारों कार्यकर्ता जमा हो गए।

रात से लेकर सुबह तक नारे लगते रहे- नेताजी अमर रहें। फिर सुबह पार्थिव देह मेला ग्राउंड लाई गई ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मुलायम सिंह के अंतिम दर्शन कर सकें। यहां लाखों की तादाद में लोग पहुंचे। मेला ग्राउंड ही नहीं, पूरे सैफई में पैर रखने की जगह नहीं दिखाई दे रही थी।

राजकोट बन गया है एजुकेशन का हबः मोदी

सरकार भ्रष्टाचार को खत्म कर रही है, तो कुछ लोग सरकार को बदनाम करते हैं: मोदी

राजकोटः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राजकोट जिले के जामकंडोरणा में एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी को सुनने के लिए यहां हजारों की संख्या में भीड़ जुटी। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने गुजरात के हित के खिलाफ काम किया और 20 साल तक मुझे परेशान किया, उन्होंने अदालतों में जाकर गुजरात को बदनाम किया है। कांग्रेस नेताओं से पूछें कि क्या उन्होंने 'स्टैचू ऑफ यूनिटी' का दौरा किया है, जो लोग धरतीपुत्र सरदार पटेल की इज्जत नहीं करते हैं। उनके लिए गुजरात में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत सरकार भ्रष्टाचार को खत्म कर रही है, तो कुछ लोग सरकार को बदनाम करते हैं। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब यह पता करना पड़ता था कि अहमदाबाद में कर्फ्यू तो नहीं है। यहां के विकास के बार में पीएम मोदी ने कहा कि फोर लेन, सिक्स लेन हाईवे और रैपिड ट्रांसपोर्ट ये सब गुजरात की पहचान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले मेडिकल में दाखिला उन्हीं को मिलता था जो अंग्रेजी जानते थे। अब हमने गुजराती में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई की अनुमति दी है। इससे गांव के छात्रों को मौका मिलेगा। जनसभा में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 20 साल पहले गुजरात में केवल 26 इंजीनियरिंग कॉलेज थे, लेकिन आज हमारे पास 130 कॉलेज हैं। राजकोट एजुकेशन हब बन गया है। आज दूसरे राज्य के बच्चे गुजरात के शिक्षण संस्थानों में प्रवेश चाहते हैं। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि यहां पर्यटन क्षेत्र का विकास हुआ है और दुनियाभर से लोग गुजरात आ रहे हैं।

50वें चीफ जस्टिस होंगे जस्टिस चंद्रचूड़

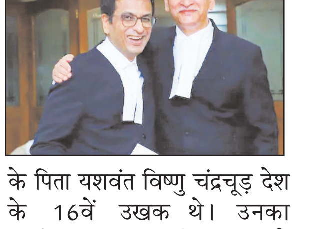

नई दिल्लीः जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ देश के 50वें चीफ जस्टिस होंगे। चीफ जस्टिस यूयू ललित ने कानून मंत्री किरन रिजिजू को उनके नाम की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस ललित 8 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ 9 नवंबर को उखक के रूप में शपथ लेंगे। चीफ जस्टिस ललित ने मंगलवार सुबह सुप्रीम कोर्ट के जजों की उपस्थिति में पर्सनली जस्टिस चंद्रचूड़ को अपने पत्र की एक कॉपी सौंपी।

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता 16वें चीफ जस्टिस थेः जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ देश के 16वें उखक थे। उनका कार्यकाल 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक यानी करीब 7 साल तक रहा। पिता के रिटायर होने के 37 साल बाद उसी पद पर बैठेंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ पिता के 2 बड़े फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में पलट भी चुके हैं। वह बेबाक फैसलों के लिए चर्चित हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल 9 नवंबर, 2022 से 10 नवंबर, 2024 तक यानी 2 साल का होगा। कानून मंत्री किरन रिजिजू ने 7 अक्टूबर को चीफ जस्टिस ललित को चिट्ठी लिखकर उनसे उनके उत्तराधिकारी का नाम बताने की अपील की थी। परंपरा है कि मौजूदा चीफ जस्टिस अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है।

ज्ञानवापीः शिवलिंग की जांच पर 14 को आएगा फैसला

वाराणसीः ज्ञानवापी मस्जिद से जुड़े दो केस की सुनवाई मंगलवार को वाराणसी की दो अलग-अलग कोर्ट में हुई। पहला केस ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग से जांच कराने की मांग से जुड़ा है। इसकी सुनवाई जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की कोर्ट में हुई। कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 14 अक्टूबर तय की है। दूसरा केस ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की पूजा-पाठ की मांग के अधिकार से संबंधित है। इसकी सुनवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की कोर्ट में हुई। अब इस केस की नियमित सुनवाई होगी। अगली तारीख 12 अक्टूबर यानी कल की तय की गई है।

मुस्लिम पक्ष ने जांच के विरोध में दाखिल किया जवाबः ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में एडवोकेट कमिश्नर की कमीशन की कार्रवाई के दौरान बीती 16 मई को पत्थर की ठोस संरचना मिली थी। मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी महिलाओं सीता साहू, मंजू व्यास, रेखा पाठक, लक्ष्मी देवी और राखी सिंह का दावा है कि वह पत्थर प्राचीन शिवलिंग है। वादिनी महिलाओं ने कथित शिवलिंग को नुकसान पहुंचाए बगैर उसकी और इर्द-गिर्द के एरिया की वैज्ञानिक पद्धति से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि इससे यह पता लग सकेगा कि शिवलिंग कितना पुराना है। साथ ही यह भी साफ हो सकेगा कि वह कितना लंबा और चौड़ा है। साथ ही उसका अरघा कितना गहरा है। इस पर जवाब देने के लिए अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से बीती 7 अक्टूबर को कोर्ट से समय मांगा गया था। जिला जज की कोर्ट ने कहा था कि 11 अक्टूबर को मसाजिद कमेटी का पक्ष सुनने के बाद वह अपना आदेश सुनाएगी। आज मसाजिद कमेटी की ओर से कहा गया कि कथित शिवलिंग की वैज्ञानिक जांच की कोई जरूरत नहीं है। कारण यह कि हिंदू पक्ष ने अपने केस में ज्ञानवापी में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष देवी-देवताओं की पूजा की मांग की है। फिर, यह शिवलिंग की जांच की मांग क्यों कर रहे हैं...?

केरलः डॉक्टर दंपती ने दो महिलाओं की बलि दी

त्रिरुवल्लाः केरल के त्रिरुवल्ला में अंधविश्वास में फंसे एक डॉक्टर और उसकी पत्नी ने दो महिलाओं की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद दोनों शवों के टुकड़े करके उन्हें दफना दिया। आरोपियों को भरोसा था कि ऐसा करने से उनके घर में धन-वैभव आने लगेगा। इस काम में एक तस्कर ने भी उनकी मदद की थी। घटना 27 सितंबर की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। त्रिरुवल्ला के रहने वाले डॉक्टर भागवत काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। उनकी पत्नी लीला ने पेरुंबवूर में रहने वाले शिहाब से संपर्क किया। उसने कहा- मानव बलि देने से ही भगवान खुश होंगे। उसने दो महिलाओं की बलि देने को कहा। साथ ही यह भी बताया कि वही बलि के लिए महिलाओं का इंतजाम कर देगा।

लालच देकर महिलाओं को लाया थाः लीला ने फेसबुक के जरिए शिहाब से कॉन्टैक्ट किया। शिहाब कलाडी और कदवंतरा की रहने वाली दो महिलाओं को पैसों और काम का लालच देकर त्रिरुवल्ला लाया। यहां से डॉक्टर दंपती और शिहाब दोनों महिलाओं को पथनामथिट्टा के एलंथूर ले गए। यहीं तंत्र साधना करके उनकी बलि दे दी। एलंथूर में ही दोनों महिलाओं को दफना दिया गया।

महिला के मोबाइल की लोकेशन से खुला राजः पुलिस कमिश्नर सीएच नागाराजू ने बताया- कदवंतरा से लाई गई महिला के परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस उसके मोबाइल की लोकेशन तलाशते हुए त्रिरुवल्ला पहुंची।

पिता ने कुएं में लगाई छलांग, बचाने कूदा बेटा दोनों की मौत

विवाद में उठाया कदम : बचाने गया भतीजा गंभीर रूप से घायल, अवैध कच्ची शराब ने फिर निगल ली दो जिंदगी

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी के अंतर्गत करमा ग्राम पंचायत के चिल्ली चकिया मजरे में मंगलवार की सुबह परिवार में विवाद के बाद पिता कुएं में कूद गया यह देख बचाने के लिए उसका बेटा भी कुएं में कूद गया जिससे दोनों की मौत हो गई। एक भतीजा भी बचाने के लिए कूदा जिसकी हालात गंभीर बनी हुई है। पुलिस पहुंच दोनों पिता पुत्र के शव को निकालकर पीएम के लिए भेजा। और हालत नाजुक हुए भतीजे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।50 वर्षीय चंदन भारतीया मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। सोमवार की शाम वह घर आया तो शराब के नशे में धुत था। जिससे परिजनों मे देर रात तक विवाद हुआ। मंगलवार की सुबह एक बार फिर परिजनों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई इसी बीच चंदन भारतीय होशोहवास खो आवेश में आकर दौड़ते हुए पास के एक बेजार पड़े कुएं में कूद गया। यह देख उसे बचाने उसका बेटा आशीष 20वर्ष भी कुएं में कूद गया। जब कुछ देर तक कुएं में कोई हलचल नहीं हुई तो चंदन का भतीजा रामा 32वर्ष भारतीय भी उन्हें बचाने कुएं में उतर गया। उसके बाद भी कोई हलचल कुएं के अंदर नहीं दिखा तो लोगों की रूह कांप गई और इसके बाद कुएं में उतरने की कोई हिम्मत नहीं जुटा पाए। घटना से परिवार सहित गांव में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। बेजार पड़ी कुएं में जहरीली गैस बन गई थी। सूचना पर सीओ करछना अजीत सिंह चौहान एसओ घूरपुर अश्वनी कुमार व चौकी इंचार्ज करमा उमा शंकर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फायर ब्रिगेड व एसडीआरएफ टीम को बुलवाया। काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला गया तो चंदन व उसके बेटे आशीष की मौत हो चुकी थी। भतीजे रामा की हालत नाजुक थी उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक चंदन के चार लड़के हैं। आशीष उनका तीसरे नंबर का पुत्र था। इस घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था।

कुएं के अंदर से शव निकालते एसडीआरएफ और पुलिस टीम तथा ग्रामीणों की भीड़

रोते बिलखते परिजन तथा इन्सेट में दोनों मृतक चंदन भारतीय व आशीष की (फाइल फोटो)

अवैध कच्ची शराब ने फिर निगल ली दो जिंदगी

अवैध कच्ची शराब कारोबार की गढ़ बनी घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी के अंतर्गत एक दर्जन गांवो में पुलिस की मिलीभगत से कच्ची शराब की कारोबार की जाती है। जिससे गांव बस्ती में सस्ती व आसानी से दिन रात शराब मिल जाने से अधिकतर लोग सेवन करते है नशे में धुत घर पहुंचने पर इन क्षेत्रों में घरेलू कलह आम सी बात हो गई है। यही नहीं चिल्ली चकिया गांव में कई घरों में कच्ची शराब का कारोबार किया जाता है। ग्रामीणों की मानें तो गांव में बनाई जा रही कच्ची शराब को पीकर चंदन सोमवार की रात भी घर पंहुचा था जिससे रात में विवाद हुआ और मंगलवार की सुबह यही कलह ने दो जिंदगी निगल गई। यही नहीं अब तक कच्ची शराब के सेवन से दर्जन भर लोग काल की गाल में समा चुके हैं। वहीं नशे में धुत होने की वजह से लोगों का महिलाओं को अत्याचार भी सहना पड़ता है। कच्ची शराब की वजह से हुई दो मौतों की वजह से मंगलवार के दिन एक बार फिर लोगों के बीच इस कारोबार को लेकर खासी चर्चा रही। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब को रोकने की पुरजोर मांग की है।

बच्चों के साथ भावनात्मक लगाव से प्राप्त होगा निपुण लक्ष्य

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। उपरोक्त उद्गार निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बुनियादी भाषा एवं गणित प्रशिक्षण के अंतिम बैच के समापन के अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्र ने व्यक्त किए। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत चल रहे बुनियादी भाषा एवं गणित प्रशिक्षण के अंतिम बैच के समापन के अवसर पर कौड़िहार द्वितीय सल्लाहपुर में हुआ। प्राथमिक स्तरीय कक्षा 1 से 3 के बच्चों में बुनियादी भाषा एवं गणित को सशक्त करने के लिए यह प्रशिक्षण 19 सितंबर से आयोजित था। जिसमें विकासखंड कौड़िहार प्रथम बीआरसी नवाबगंज में दो ट्रेनिंग हाल में 50- 50 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा था। इसी प्रकार कौड़िहार द्वितीय के सल्लाहपुर में भी दो बैच में प्रशिक्षण जारी था। प्रशिक्षण के दौरान प्राथमिक स्तर के समस्त शिक्षकों एवं शिक्षा मित्रों को मिलाकर लगभग 900 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता की भूमिका का कुशल निर्वहन करने वाले एआरपी जय सिंह, अजमल अमीन अंसारी, प्रभाशंकर शर्मा, विष्णु कुमार मिश्र, अवनीश सिंह, सत्यांजली मिश्रा, वंदना, नीलकमल सहाय, अनीता उपाध्याय, सुनीता तिवारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में कौड़िहार द्वितीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष मसूद अहमद, सुरेंद्र सिंह, घनश्याम यादव एवं संतोष बाबू आदि उपस्थित रहे। प्राथमिक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव के उद्बोधन पर कार्यक्रम का समापन हुआ।

कौड़िहार में संदर्भ दाताओं को दिया गया प्रशस्ति पत्र।

एंबुलेंस में हुआ प्रसव जच्चा बच्चा स्वस्थ

लालापुर। लालापुर स्थित पीएचसी में तैनात 108 एंबुलेंस कर्मियों की सूझबूझ के चलते बीच रास्ते में ही प्रसूता का प्रसव कराया गया । प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों पूर्णतया स्वस्थ हैं लालापुर थाना क्षेत्र के भटपुरा लालापुर गांव निवासी मनोज पत्नी मीना प्रसूता थी ।मंगलवार के दिन मीना देवी को प्रसव पीड़ा हुई तो परिजनों ने लालापुर स्थित पीएचसी में तैनात 108 एम्बुलेंस को सूचना दी ।और आशा सरोज पाण्डेय को दी सूचना मिलते ही एम्बुलेंस के ईएमटी शिवपुजान शुक्ला व पायलट आनंद प्रकाश त्रिपाठी एंबुलेंस लेकर पीड़िता के घर पहुंचे और उसे लादकर सीएचसी शंकरगढ़ के लिए निकले ।लेकिन शंकरगढ़ सीएसी लेजाते समय रास्ते में ही प्रसूता को असहनीय पीड़ा हुई तो लोहगरा हाइये रास्ते पर गाँव के सरोज पाण्डेय ने एम्बुलेंस को रुकवा कर किराने गाड़ी लगाने को कही उसके बाद प्रसव कराया गया । और एक सुन्दर पुत्री को जन्म हुआ दोनों जच्चा बच्चा को सीएचसी शंकरगढ़ में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों पूर्णतया स्वस्थ बताए गए हैं। एंबुलेंस के कर्मियों की सूझबूझ की चर्चा इन दिनों क्षेत्र में की जा रही है ।और परिजनों ने आभार प्रकट किया।

भण्डाः रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाए

जंघई। आदर्श रामलीला कमेटी भण्डा गांव में आयोजित रामलीला मंचन में दशरथ-कैकेयी संवाद के दौरान दासी मंथरा रानी कैकेयी को समझाती है कि अगर राम को राज्य मिला तो भरत का क्या होगा कैकेयी कोप भवन में चली जाती हैं। जिसके बाद राजा दशरथ वहां पहुंचते हैं और कैकेयी से कारण पूछते हैं तो रानी कैकेयी ने राजा दशरथ को दो वरदानों की याद दिलाते हुए राम को 14 वर्ष का वनवास और भरत के लिए राजपाठ मांगा कैकेयी के वचनों को सुनकर राजा दशरथ व्यथित हो जाते हैं। वे कैकेयी को समझाते हैं, लेकिन कैकेयी समझने को तैयार नहीं होती हैं। आखिरकार रघुकुल की रीति का पालन करते हुए राजा दशरथ कैकेयी को वरदान दे देते। इसके बाद राम वनवास का मंचन किया गया ।भगवान राम अपने पिता का वचन निभाने को अपने सभी सुखों को त्याग करके सीता लक्ष्मण के साथ वन चले जाते हैं पुत्र राम के वियोग में दशरथ के प्राण पखेरू हो जाते हैं ।रामलीला में राम केवट संवाद, सीता हरण तक मंचन किया गया ।इस अवसर पर अध्यक्ष परमेंद्र बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष हुबराज यादव, रामकुमार सिंह, व्यास संचालक पन्ना लाल शर्मा, चंद्र बहादुर सिंह, आलोक सिंह पूर्व प्रधान, सहज प्रताप, गौरव राजपूत, लकी, बंटी, जितेंद्र, पवन सिंह, अवनीश सिंह, चंदन, ज्ञानेंद्र, कुंदन, सचिन सिंह, आदर्श सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

लक्ष्मण ने काटी सूर्पनखा की नाक, सीता को हर ले गया रावण

जंघई। आदर्श रामलीला समिति पतैयां, रजुला की रामलीला मंचन में सूर्पणखा राम लक्ष्मण और सीता को देख लेती है और राम को मोहित करते हुए कहती है कि आप मुझसे विवाह कर लें। श्री राम सूर्पणखा को बहुत समझाते हैं, लेकिन सूर्पणखा अपनी बात पर अड़ी रहती है अंत में लक्ष्मण क्रोधित हो जाते हैं और सूर्पणखा के नाक-कान काट देते हैं तब वह अपने भाई रावण के पास जाती है। रावण यह देखकर क्रोधित होता है और छल से सीता माता का हरण कर लंका ले जाता है ।इस अवसर पर मैनेजर डाक्टर मिश्रा, कोषाध्यक्ष संतोष मौर्या, संचालक छोटेलाल सिंह, डायरेक्टर चंद्रमणि पांडेय, कामेडी कलाकार श्याम शंकर मिश्रा लाल बाबा, कृष्णानंद मिश्रा, योगेश सिंह कोटेदार, मोनू सिंह, खुशबू सिंह, जेपी सिंह, अमित मिश्रा, कौशल मिश्रा, हिमांशु सिंह, दादू सिंह, अंबुज सिंह, अंकित मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

शिक्षक समाज ने मुलायम को दी श्रद्धांजलि

शिक्षक नेताओं ने शोकसभा में मुलायम सिंह के योगदान को किया याद

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर विद्यालय में इकाई शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष रामबोध खरवार की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। रामबोध खरवार ने कहा कि अपने मुख्यमंत्रित्व काल में नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने शिक्षकों को कई सौगात दी। 1994 उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए ट्रेजरी से पेंशन देने की व्यवस्था लागू की, जो एक जनवरी 1986 से प्रभावी की गई। इसी तरह शिक्षकों की सेवानिवृत्ति तिथि 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की गई। मुलायम सिंह हमेशा से संगठन के राज्य सम्मेलनों में सम्मिलित होकर शिक्षकों को आशीर्वाद देते रहे। शिक्षक समाज उन्हें कभी भुला नहीं सकता। शोकसभा में इकाई शाखा के निवर्तमान मंत्री डॉक्टर बृजेश कुमार यादव, सीपी सिंह, हरीकृष्ण, राकेश चंद्र मिश्रा, अजय कुमार, वकील प्रसाद शुक्ला, ओपी धारिया, पन्ने लाल, अजय प्रताप सिंह, सुरेंद्र, राम सिंह, प्रदीप सिंह, सिद्धार्थ तिवारी, योगेंद्र कुमार पांडेय, अनिल त्रिपाठी, प्रेमशंकर दुबे, रणवीर सिंह, राजेश कुमार मिश्र, शिवाकांत पाल, राकेश कुमार, सीबी यादव, लवकुश मिश्रा, चंदन सिंह, दीपेंद्र सिंह, समीर कुमार, पवन कुमार यादव, लाडली देवी, विभा सिंह आदि ने शोक व्यक्त किया।

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

करछना। मंगलवार को प्रकाश हॉस्पिटल डीहा में आयोजित शोक सभा में उपस्थित पूर्व जिला पंचायत सदस्य तुलसीराम यादव जिला पंचायत सदस्य डॉ विजय बाबू यादव जगदीश यादव कोटेदार श्याम बहादुर एडवोकेट ब्रह्मचारी यादव श्रीपत पाल फुर्ती बाजे यादव रोहित यादव समर बहादुर यादव विमल चौधरी मुलायम यादव बृजेश यादव ओमप्रकाश आदिवासी प्रधान पुत्र पंकज यादव,लाल बहादुर यादव ने सपा संरक्षक मुलायम के निधन पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी इसी क्रम में मंगलवार को करछना में कांग्रेस जनों के द्वारा सपा संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक सभा कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसमें दो मिनट का मौन धारण करते हुए मृत आत्मा की शांति एवं परिवार को दुख सहने के लिए ईश्वर से कामना की गई ।इस अवसर पर नेता जी के जीवन पर भी बृहद रूप से प्रकाश डाला गया। डा दिनेश सोनी ने कहा कि सपा संरक्षण मुलायम सिंह यादव बात के धनी नेता थे ,वह जो कुछ कहते वह करते थे। उनके संघर्षों का परिणाम रहा कि उन्हें धरती पुत्र की संज्ञा मिली। जिस मौके पर विजय सिंह, रंगराज सिंह, सुरेश पटेल, आशीष मिश्रा, रवि राज सिंह, अकबाल बहादुर कुशवाहा, आदि लोग मौजूद रहे।

नेता जी के जाने से देश को हुई अपूर्णीय क्षति : फात्मा अजरा राईन

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर के फरीदाबाद में मंगलवार को सपा की महिला कार्यकर्ता समाजसेविका फात्मा अजरा राईन के नेतृत्व में एक शोक सभा हुई। जिसमें समाजवादी पार्टी के संरक्षक तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनकी समाजवादी विचारधारा को नमन किया गया। समाज सेविका फात्मा अजरा राईन ने कहा कि नेता जी के जाने से देश ने अपने एक किसान नेता को खो दिया है। उनके निधन से देश को जो अपूर्णीय क्षति हुई है उसकी भरपाई नही हो सकती। सपा मुखिया के संघर्षमय जीवन पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि एक छोटे से गांव सैफई में किसान के घर में जन्मे नेता जी ने अपने छात्र जीवन से ही हमेशा गरीबों, मजदूरों, किसानों, व्यापारियों, दलितों, महिलाओं अल्पसंख्यकों,समाज के वंचितों की लड़ाई को सड़क से लेकर संसद तक लड़ने का काम किया। अपनी समाजवादी विचारधारा के चलते ही वो उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री,देश के रक्षामंत्री बनें। इस दौरान उपस्थित सपाइयों ने नेता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मौके पर आरती देवी पटेल, खुशनुमा बानो, सुष्मिता पांडेय,रजनी गुप्ता, रिजवाना बेगम, आबिदा बानो,शबनम बानो, आरती पाल, रेहाना बानो, रश्मि केसरवानी, सुमैया,सुनीता, सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

न्यूज झरोखा...

धरवारा प्रधान प्रतिनिधि वीरू सिंह हुए सम्मानित गांव वासियों में हर्ष

विकास कार्यों में अग्रणी चल रहा है ग्राम पंचायत धरवारा

करछना। ब्लॉक करछना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संबंधित ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत धरवारा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरू सिंह भी शामिल रहे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को सम्मानित किए जाने से धरवारा ग्रामसभा के लोगों में प्रसन्नता व्याप्त है। मंगलवार को गांव वासियों की ओर से उन्हें बधाई भी दी गई। सोमवार को ब्लॉक सभागार में बीडीओ देव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम प्रधान स्थानीय प्राधिकारी सदस्यों विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष व सचिवों की एक दिवसीय संगोष्ठी उन्मुखीकरण कार्यशाला में ब्लांक प्रमुख करछना प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी व खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार त्रिपाठी की ओर से गांव में बेहतर कार्य के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र पाकर उन्होंने कहा की गांव के समग्र विकास के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा । मंगलवार को ग्राम सभा धरवारा के लोगों में विनय कुमार सिंह जनार्दन सिंह दिनेश कुमार द्विवेदी शिशिन सिंह पंकज द्विवेदी गोरेलाल तिवारी विवेक सिंह अनुराग सिंह आदि लोगों की ओर से उन्हें बधाई दी गई।

स्वस्थ्य मन के द्वारा स्वस्थ्य शरीर की प्राप्ति :प्रो. राजीव मालवीय

जंघई। मानसिक स्वास्थ्य के उन्नयन हेतु प्रति वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दस अक्टूबर को मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। उक्त अवसर पर प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय ने कहा कि हमेशा मानसिक तनाव से मुक्त रहना चाहिए, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सही रहे स्वस्थ्य मन के द्वारा हम स्वस्थ्य शरीर को प्राप्त कर सकते हैं। डॉ रवि कुमार मिश्र ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अंदर एवं बाहर से एक होना होगा।मुख्य वक्ता के रूप में प्रभारी मनोविज्ञान विभाग डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम लक्ष्य निर्धारित करके दिनचर्या को नियमित करके तथा सकारात्मक सोच के साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर मनोविज्ञान आयुषी मौर्या ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि उम्र के साथ हो रहे शारीरिक परिवर्तनों से सामंजस्य बिठाना आवश्यक है। भविष्य में किसी भी ऐसी समस्याओं पर छात्र छात्राओं को बेझिझक अपनी बात साझा करनी चाहिए जिसके लिए मनोविज्ञान विभाग पूर्णतः तत्पर है। आयुषी मौर्या ने उपस्थित सभी सम्मानित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पिलखिनी गांव के सर्वांगीण विकास हेतु तन, मन, धन से समर्पित : बच्चन मिश्रा

जंघई। पिलखिनी गांव में विगत 25 वर्षों से ग्राम सभा का पानी खड़ंजा पर एकत्रित हो रहा था आवागमन करने वाले ग्रामीणों का मार्ग अवरुद्ध था। प्रधान शशिकला बच्चन मिश्रा द्वारा आपसी सहमति से ग्राम सभा के सभी नागरिकों एवं छोटे लाल मिश्रा उर्फ मुग्घर के प्रयास से खड़ंजा के बीचों-बीच अंडर ग्राउंड नाली बनवाकर आने जाने का मार्ग सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है। जिससे आवागमन करने वाले नागरिकों में खुशी का माहौल है सभी ने प्रधान के कार्यों की सराहना किया है। प्रधान ने ग्रामीणों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और गांव के सर्वांगीण विकास हेतु तन, मन, धन से कार्य करने का वचन दिया है और कहा कि गांव का चहुंमुखी विकास चहुंओर होता रहेगा।इस अवसर पर पिंटू मिश्रा, भोला शंकर मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, बंगाली मिश्रा, चंद्रेश मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, टोपी दादा, आदित्य मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, विनोद मिश्रा, अखिलेश मिश्रा लोग मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जीजीआईसी में आयोजित की गई परिचर्चा

जसरा। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जसरा के राजकीय बालिका इंटर कालेज मे परिचर्चा के माध्यम से बेटियों की महत्ता एवम नारी वर्ग के विकास पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता शर्मा अवकाश पर होने के कारण वर्चुवल सम्बोधन के माध्यम से कहा कि बेटी हैं तो कल हैं। बिना बेटियों के राष्ट्र की प्रगति किसी भी दशा मे संभव नहीं हैं। समाज का यह नैतिक दायित्व हैं कि बिना किसी भेदभाव के बेटियों को आगे बढ़ने का मौका प्रदान करें। जब बेटियां सुरक्षित एवम सुशिक्षित होगी तो आने वाला कल स्वतः सुखमय होगा। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र नें नेता अभिषेक सिंह पटेल नें कन्या भ्रूण हत्या, सामजिक भेदभाव, बाल विवाह इत्यादि बिन्दुओ पर चर्चा के माध्यम से अपने बेटियों के विकास मे अपने विचार को रखा। कार्यक्रम मे विद्यालय की छात्राओं सहित रीना यादव, शगुफ्ता जमाल, फौजिया नसरीन, गीता पाण्डेय, सुनीता मालवीया, नीता त्रिपाठी, गीतांजलि, रेखा रानी, नीलम गुप्ता, कीर्ति अवस्थी आदि शिक्षिकायें मौजूद रहीं।

भीड़ ने चोर समझकर दो युवकों को पीट कर किया अधमरा, एक की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। खुल्दाबाद के बेनीगंज में भीड़ ने चोरी के शक में पीट-पीटकर गप्पू(24) की हत्या कर दी गई। साथी मुन्ना को भी मरणासन्न कर दिया गया। उसे गंभीर हालत में एसआरएन में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने अज्ञात में केस दर्ज कराया है। उधर पुलिस ने पांच को चिह्नित कर दो को गिरफ्तार कर लिया है। अकबरपुर करेली का रहने वाला गप्पू पड़ोस में ही रहने वाले अपने साथी मुन्ना को लेकर शुक्रवार को बेनीगंज में बाबा मार्केट के पास गया था। इसी दौरान चोरी के शक में कुछ लोगों उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद लाठी-डंडों से उन्हें तब तक पीटा, जब तक कि वह मरणासन्न नहीं हो गए। इसके बाद हमलावर भाग निकले। मंगलवार भोर में चार बजे के करीब टहलने निकले लोगों ने दोनों को खून से लथपथ पड़े देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों को एसआरएन अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने गप्पू को मृत घोषित कर दिया। जबकि मुन्ना को भर्ती कर लिया गया। जानकारी पर पुलिस अफसर भी मौके पर पहुंच गए और घंटों जांच पड़ताल में जुटे रहे। अस्पताल पहुंचकर मुन्ना से भी बातचीत की। उसने बताया कि उसे और उसके साथी को डंडों व रॉड से पीटा गया। ईंट से भी मारा गया। इसके बाद मृतक के परिजनों की तहरीर पर अज्ञात में केस दर्ज किया गया।

शव सड़क पर रख कर किया प्रदर्शन

उधर पोस्टमार्टम के बाद शाम को परिजनों ने खुल्दाबाद चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। इससे कछ ही देर में वहां वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर सीओ कोतवाली सत्येंद्र प्रसाद तिवारी पहुंचे और परिजनों को समझाया। तब जाकर लोग शांत हुए और फिर शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

सीसीटीवी फुटेज से पांच चिह्नित

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगाली तो हमलावरों की तस्वीर मिल गई। सुरागरशी पर पता चला कि घटना में पांच लोग शामिल थे। इनमें से तीन एक ही परिवार के जबकि अन्य दो में एक ड्राइवर व एक उनका दोस्त शामिल है। इनमें से दो को हिरासत में ले लिया गया है। हमलावर चिह्नित कर लिए गए हैं। जिनमें से दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अस्पताल में भर्ती युवक ने बताया है कि मृतक चोरी के मामले में पहले जेल जा चुका है। जांच पड़ताल की जा रही है। **- संतोष कुमार मीणा, एसपी सिटी**

खबर संक्षेप

प्रकाश उत्सव पर कीर्तन, गुरुवाणी से संगत निहाल

प्रयागराज। सिख धर्म के चौथे गुरु गुरु रामदास का प्रकाश उत्सव मंगलवार को मनाया गया। श्री गुरु सिंह सभा की ओर से अध्यक्ष सरदारनी गोविन्द कौर की अध्यक्षता में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा खुल्दाबाद में प्रकाश उत्सव पर कई आयोजन हुए। सहज पाठ साहिब की समाप्ति के बाद गुरुवाणी, गायन तथा गुरबाणी विचार हुआ। संतों ने श्री गुरु ग्रन्थ साहिब के आगे मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में प्रिंसपाल सिंह हजूरी रागी गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब पटियाला और श्री गुरु सिंह सभा के हजूरी रागी अमरजीत सिंह ने संगतों को गुरुवाणी, कीर्तन से निहाल किया। श्री गुरु सिंह सभा की संपूर्ण कमेटी तथा खालसा कालेज की कमेटी ने सहयोग किया। संगतों ने लंगर (भंडारा) छका। उपाध्यक्ष सरदार प्रीतम सिंह, उपाध्यक्ष सरदार जतिन्दर सिंह, सरदार दलजीत सिंह आदि ने संगतों को प्रकाश पर्व की बधाई दी। संचालन महामंत्री सरदार इन्द्रप्रीत सिंह ने किया।

ब्लाक संसाधन केन्द्र मेजा में संचालित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

मेजा। ब्लॉक संसाधन केंद्र मेजा में संचालित चार दिवसीय निपुण भारत मिशन प्रशिक्षण के अंतिम छठे बैच का समापन खंड शिक्षा अधिकारी मेजा नीरज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कुल छः बेंचो मे कुल 583 अध्यापकों को कराया गया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता डॉक्टर गोपाल कृष्ण यादव, गिरीश कुमार तिवारी, कमलाकांत पांडे, रामनिरंजन, व पुष्पराज सिंह सहित पांच ए आर पी द्वारा संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण 6 सितंबर से प्रारंभ होकर 11 अक्तूबर तक संचालित कराया गया । प्रशिक्षण में हिंदी मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग व पठन पर ट्रैकर के माध्यम से 22 सप्ताह की कार्य योजना के विषय में विस्तार पूर्वक बताया गया। प्रशिक्षण प्राप्त सभी अध्यापकों को कार्य पुस्तिका बीआरसी मेजा से उपलब्ध कराया गया। सभी प्रशिक्षक द्वारा कार्य पुस्तिका के माध्यम से ही कक्षा 1, 2 व 3 के बच्चों को निपुण बनया जाएगा। प्रशिक्षण में संत बहादुर सिंह, प्रवीण द्विवेदी, संदीप कुमार, सुनील कुमार,रविशंकर, बिना सिंह, संगीता पांडे, रितिका, सरिता मिश्र, व रंजना पांडे सहित 83 अध्यापक मौजूद रहे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समापन कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षणार्थी

धूम धाम से मनाया शास्त्रीनगर में अमिताभ बच्चन का जन्म दिन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महानायक व इलाहाबाद के पूर्व सांसद अमिताभ बच्चन का जन्म दिन शास्त्री नगर स्थित प्रधान कार्यालय में धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर हनुमान जी का विधि विधान से पूजन-अर्चन कर उनकी दीघार्यु की कामना की गई। देशी घी के दीए जलाकर आरती कर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित श्रीवास्तव व जिलाध्यक्ष रिन्कू श्रीवास्तव ने एक दूसरे का मुँह मीठा कर सभी को मिठाई बांटी।

कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि अमिताभ बच्चन अपने आप में एक ?सी शख्सियत है जो भारत के साथ देश-विदेश में भी प्रसिद्ध है। इनका काम के प्रति समर्पण बेमिसाल है। संयोजक जिलाध्यक्ष रिन्कू श्रीवास्तव ने कहा, 11 अक्टूबर 1942 को इलाहाबाद में जन्में अमिताभ बच्चन ने भारतीय सिनेमा में अपने बेमिसाल अभिनय की छाप छोड़ी है। कार्यक्रम में राज कुमार श्रीवास्तव , कृपाशंकर श्रीवास्तव , उमेश चन्द्र श्रीवास्तव , प्रीति श्रीवास्तव , शिखा श्रीवास्तव ,पूजा श्रीवास्तव , सोनाली श्रीवास्तव , रितिका श्रीवास्तव , रिनी श्रीवास्तव ,जूही आदि मौजूद थी।

क्रियायोगा आश्रम में पूर्व मुख्यमंत्री को दी गई श्रद्धांजलि

प्रयागराज। क्रियायोगा आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री व सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई । श्रद्धांजलि सभा में आश्रम प्रमुख स्वामी श्री योगी सत्यम व समस्त साधक उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा के दौरान क्रियायोग गुरु ने कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह जी पुनः नए रुप में आयेंगे, मृत्यु का अस्तित्व नहीं होता है। अगर मृत्यु का अस्तित्व है तो वह सभी के लिए होगा,लेकिन उर्जा अमर है। क्रियायोग ध्यान व प्रार्थना के माध्यम से आवाहन करें कि अमर आत्मा पुनः जन्म लेकर साथ रहकर राष्ट्र विकास में अद्भुत योगदान करें। इसी के साथ दिवंगत आत्मा को बार बार नमन किए।

बहादुरपुर ब्लाक कार्यालय मे कुर्सियां कर रही थीं कर्मचारी व अधिकारियों का इंतजार...

सरकार के सख्त आदेश के बाद भी लेट लतीफ पहुंच रहे हैं अधिकारी कर्मचारी

अखंड भारत संदेश

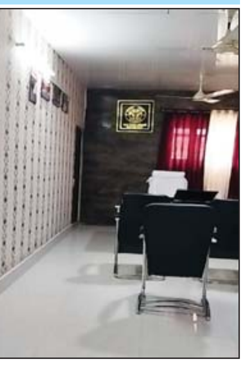

हनुमानगंज। एक ओर जहां सरकार अधिकारियों को सुबह 10 से 12 बजे कार्यालयों में मौजूदगी के निर्देश दे रही है। वही दूसरी ओर अधिकारी, कर्मचारी सरकारी दावों की पोल खोलने में कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। फिर चाहे मुख्यालय स्थित कार्यालय हो या ब्लॉक स्तरीय। अधिकारियों, कर्मचारियों के आने-जाने पर समय की कोई पाबंदी दिखाई नहीं दे रही है।

प्रयागराज जिले के बहादुरपुर विकास खंड कार्यालय पर सुबह 10.43 पर अधिकारी कर्मचारी नदारद मिले खंड विकास अधिकारी कार्यालय, एडीओ पंचायत कार्यालय तो खुला मिला लेकिन मौके पर अधिकारी नहीं रहे खाली कुर्सियां साहब के आने का इंतजार कर रही थी। ब्लॉक पर मौजूद चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों से जानकारी ली गई की बीडीओ साहब व एडीओ पंचायत साहब कहां पर है तो उनके द्वारा बताया गया कि एडीओ पंचायत ककरा गांव में निरीक्षण पर गए हुए हैं व वीडियो साहब जिले पर मीटिंग में गए हैं। वही जब अन्य कार्यालयों को देखा गया तो कहीं पर दरवाजे बंद मिले तो कहीं कुर्सियां खाली मिली। जबकि सरकार का निर्देश है कि समय से कार्यालय खोल कर अधिकारी बैठे और जनता की समस्याओं का निदान करें लेकिन ऐसा कुछ होता नहीं दिखाई दे रहा है । प्रदेश सरकार भले लाख कोशिश कर ले कि अधिकारी समय से कार्यालय पहुंच कर क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनकर उसका निस्तारण करें लेकिन जब समय से अधिकारी ही नहीं पहुंचेंगे तो अन्य कर्मचारी कहां से पहुंचेंगे। मामले में खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर मनोज कुमार सिंह का कहना है कि जो कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचे थे उन्हें नोटिस दी जाएगी।

सपा विधायक विजमा यादव पर 21 वर्ष पूर्व दर्ज मामले में इंस्पेक्टर का बयान दर्ज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सपा विधायक विजमा यादव सहित 14 सहयोगियों के खिलाफ 21 वर्ष पुराने मामले में एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट में मंगलवार को नवाबगंज थाना के तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर महेंद्र प्रताप सिंह की गवाही दर्ज की गई। मामले में अब तक अभियोजन ने 11 गवाहों के बयान कोर्ट में दर्ज कराए हैं। यह सभी घटना में घायल हुए थे। तत्कालीन इंस्पेक्टर सरायनाइत कृपा शंकर दीक्षित की मृत्यु हो चुकी है।एमपीएमएलए की विशेष कोर्ट के न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ल के समक्ष सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील वैश्य ने शपथ पूर्वक 11 वें गवाह का बयान दर्ज कराया।अदालत को पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि विधायक विजमा यादव के उकसाने पर ही भीड़ अनियंत्रित होकर पुलिस टीम पर गोली बम से हमला किया। जिसमें हम घायल हुए थे। घटना में विजमा यादव शामिल थीं।मामले में अब तक विष्णु दत्त दुबे तत्कालीन इंस्पेक्टर थरवई, कमालुद्दीन हेड कांस्टेबल, महेंद्र प्रकाश सिंह कांस्टेबल, द्वारिका प्रसाद यादव कांस्टेबल, कड़े दीन यादव पीएसी बल, लालमणि सिंह पीएसी, मुनीश कुमार सिंह कांस्टेबल, सुशील कुमार तिवारी कांस्टेबल, महेंद्र प्रताप सिंह कांस्टेबल, प्रेम प्रकाश शुक्ल पीएसी का अदालत के समक्ष बयान दर्ज करा चुका है। विशेष अदालत में विधायक विजमा यादव, शिवदास, विनोद, पवन, शिव प्रताप, अभय राज, चंद्र प्रकाश, अशोक पाल, दुर्गेश सिंह, राजू सिंह, जगन्नाथ, श्याम बाबू, हरिलाल व जंग बहादुर पर इस मामले में आरोप लगाए गए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया

अखंड भारत संदेश

झूंसी। कांग्रेसी नेताओं ने मंगलवार को एक शोक सभा का आयोजन कर पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कांग्रेसी नेता सुनील कुमार यादव ने कहा कि देश ने एक महान यवक्ति को खो दिया। विशंभर सिंह पटेल ने मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश को एक बड़ी क्षति हुई है दलित पिछड़े व मुस्लिमों के नेता शमुलायम सिंह यादव को देश बहुत याद करेगा। जीशान अहमद ने मुलायम सिंह यादव ने कहा एक छोटे से गांव से निकलकर दलित पिछड़े अल्पशाख्यको कि लड़ाई लड़ कर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री व देश के रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव से हर समाज के लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर मुलायम सिंह की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन पाठ भी किया गया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से अनु सिंह ,राजू यादव , राम बहादुर वर्मा, महेश यादव ,डा एजे अहमद, समशाद अली ,राजकुमार प्रजापति ,अमर बहादुर यादव, नन्हे प्रधान ,चंद्रजीत यादव, यासिर खान , मो मुमताज ,आजाद अहमद ,मनोज पासी, राम प्रताप यादव, लल्लू यादव आदि मौजूद रहे।

रावण की लंका में हनुमान ने लगाई आग, लंका में मचा हाहाकार

नैनी। क्षेत्र के छोटा चाका दुर्गा मैरिज हाल मे चल रहे राम रामलीला के छटे दिन श्री राम रामलीला मे भष्मासुर नाटक, लंका दहन का आयोजन किया। सीता जी अशोक वाटिका में अत्यधिक दुख की स्थिति में आकाश में चमकते तारों को देखती हैं और सोचती हैं कि यदि एक भी तारा पृथ्वी पर आ जाता तो मैं उससे अग्नि लेकर अपनी स्वयं की चिता बना अपने को समाप्त कर लेतीं हनुमान जी, जो कि वही पत्तों के बीच में छुपे हुए हैं, उनके समक्ष प्रकट हो जाते हैं और उन्हें भगवान राम का संदेश सुना कर तथा उन्हें भगवान राम के पराक्रम की याद दिला कर उनका दुख हर लेते हैं माता सीता उन्हें अजर, अमर, गुणानिधि और श्री राम का अतिशय प्रिय होने का वरदान देती हैं मेघनाथ का रोमांचक युद्ध, रावण-दरबार, रावण -हनुमान संवाद की लीला का मंचन हुआ।अंत मे, जब हनुमान जी की पूंछ में आग लगा दी जाती है तो वह रावण की सोने की लंका को जलाकर खाक कर देते हैं। लंका- दहन पर जयकारे लगाने लगते हैं। इस मौके पर वैभव मिश्रा, राघू तिवारी, गंगाधर गुप्ता, श्रीनिवास द्विवेदी, धर्मेंद यादव, लवकुश कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे।

राम ने सीता स्वयंवर में तोडी धनुष सीता ने राम के गले में डाला जयमाल

नैनी। मंगलवार को जन सेवा समिति रामलीला में सीता स्वयंवर की लीला का मनोहारी मंचन हुओ शिव-धनुष मंच पर रखा हुआ है, बड़े-बड़े राजा-महाराजा शिव-धनुष को तोड़ने का प्रयास करते हैं किंतु उसे हिला भी नहीं पाते तब महाराज जनक दुखी होकर कहते हैं कि अपनी वीरता पर अभिमान करने वाला कोई व्यक्ति अब नाराज नहीं होगा मैं समझ गया हूं कि पृथ्वी वीरों से खाली है। इतना सुनते ही लक्ष्मण जी तम-तमा कर खड़े हो जाते हैं और कहते हैं कि जिस सभा में रघुवंशी बैठे हो वहां ऐसा कोई कैसे कह सकता है ? अंत में भगवान श्री राम गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से धनुष-भंग कर देते हैं मां जानकी प्रसन्न हो जाती हैं एवं महाराज जनक के संकेत पर भगवान राम के गले में जय-माल डाल देती हैं। चारों ओर सिया-वर रामचंद्र की जय के जयकारे गूंजने लगते हैं। राम लीला आयोजन में बच्चा लाल यादव, हरिशंकर सिंह, रवि सिंह, विनय सिंह, आर एल डी दुबे, आर के शुक्ला, कृष्ण गोविंद, अनुग्रह जायसवाल, बनवारी लाल, समर बहादुर सिंह, बजरंगी लाल, विशाल श्रीवास्तव, नीलू केशरवानी, दिलीप वर्मा ने अपना सहयोग दिया।

परिवार की सलामती के लिए सिकन्दर अली शाह की दरगाह पर जुटे अकीदतमंद

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई गांव में प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी सूफी संत हजरत मौलाना सैय्यद शाह सिकन्दर अली के 148वें सालाना उर्स में अकीदतमंदों की भारी भीड़ रही। दूर दराज से आए जायरीनों ने सिकंदर अली शाह के दर पर हाजिर लगा कर अपने परिवार की सलामती के लिए दुआ मांगी। तेरे दर पे आया हूं, कुछ लेकर जाऊंगा की चाहत से दूर दराज से चलकर आए इन जायरीनों में मंगलवार सुबह से ही सूफी संत के दर पर चादर चढ़ाने की होड़ दिखाई दी।

प्रत्येक वर्ष बारावफात त्योहार के बाद लगने वाले तीन दिवसीय सालाना उर्स में उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान,महाराष्ट्र,विहार, सहित अन्य राज्यों के जायरीन रविवार से ही फूलपुर क्षेत्र के चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई गांव में सूफी-संत चिश्ती हजरत मौलाना सैय्यद शाह सिकन्दर अली रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह में मिन्नतो की मांग लिए आने लगे। उर्स मेले में मन्नतों की पोटली लिए बाबा के मुरीद जायरीनो व उनके चाहने वालों की भारी आमद देखी गई। इस दौरान दरगाह रंग-बिरंगी रोशनियों से झिलमिलाता रहा। मेले में जहां बच्चों के खिलौने बिक रहे थे वहीं महिलाएं अपने गृहस्थी की सामग्री खरीदने में मशगूल दिखीं।

पानी व शौचालय के आभाव में परेशान रहे अकीदतमंद : इतने बड़े और ऐतिहासिक मेले में जहां क्षेत्र के अकीदतमंदों के साथ ही अन्य प्रदेशों से लोग आते हैं वहीं स्थानीय प्रशासन के द्वारा शौचालय, पीने का पानी, एम्बुलेंस, की मुकम्मल ब्यवस्था न करना, हजारों की संख्या में आए अकीदतमंदों के लिए परेशानी का सबब बनता है।

बिना प्रेम रीझत नहीं नटवर नंद किशोर : विनोदानन्द सरस्वती

नैनी। श्रमिक बस्ती स्थित मानस पार्क में सार्वजनिक श्री रामचरित मानस सम्मेलन समिति के तत्वाधान में आयोजित श्री राम कथा के अंतिम दिन कथा का शुभारंभ राजकुमार तिवारी, शिव शंकर दीक्षित एवं अतुल सिंह ने भगवान राम की आरती कर किया। कथा व्यास दंडी स्वामी श्री विनोदानन्द जी महाराज ने श्री राम कथा की अमृत वर्षा करते हुए कहा कि राम प्रेम के भूखे हैं राम अपने भक्तों द्वारा प्रेम-पूर्वक अर्पित की गई प्रत्येक वस्तु- पत्र, फूल, फल, जल सब कुछ स्वीकार कर लेते हैं राम ने भीलनी शबरी के प्रेम से खिलाए गए जूंठे बेर भी बड़े चाव से खाऐ। प्रेम की महिमा बताते हुए महाराज श्री ने कहा कि केवट कई जन्मों से राम के पांव पखारना चाहता है परंतु ऐसा कर नहीं पाता उसके अगाध प्रेम को देखकर राम रामावतार में स्वयं उसके घाट पहुँच जाते हैं और उसे उनके पांव पखारने का अवसर प्रदान करते हैं भक्तों के प्रेम के आगे राम समर्पण कर देते हैं केवट राम से जो-जो करने को कहता है, राम सब करते हैं अंत में उतराई के रूप में वह राम से कहता है कि प्रभु आप भव-सागर के केवट हैं, मैं गंगा-तट का केवट हूँ मैंने आपको मां सीता और भैया लक्ष्मण सहित गंगा पार कराई, आप मुझे मेरे परिवार सहित भव-पार करा देना। महाराज श्री आगे कहते हैं कि सिर्फ राम-राम कहने से काम नहीं चलेगा हमें राम के प्रति अपने अंदर प्रेम एवं समर्पण का भाव भी उत्पन्न करना होगा- " राम राम सब कहत हैं ठग, ठाकुर और चोर बिना प्रेम रीझत नहीं नटवर नंद किशोर। श्री राम चरित मानस सम्मेलन में प्रमुख रूप से, शिव शंकर दीक्षित, राजकुमार तिवारी, आर के शुक्ला, विजय लक्ष्मी पाण्डेय, अतुल सिंह, अभिषेक पांडेय, रमेश नेगी, अनिल विश्वकर्मा, लक्ष्मीकांत तिवारी, सुशील चड्ढा, रवि मिश्रा, आर के सिंह तोमर, हरिशंकर मिश्र, महेश मधुकर, प्रमोद दुबे , पुष्पेंद्र सिंह, जे एन यादव, टी एन मिश्रा, प्रमोदानंद मिश्रा, सुनीता चड्ढा, नीलम सिंह, उषा पांडे, रेखा श्रीवास्तव, शालिनी त्रिपाठी, शालू चड्ढा आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मंझनपुर, कौशाम्बी

नामांत्रण (दाखिल-खारिज) सूचना

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 एवं नगर पालिका परिषद मंझनपुर द्वारा निर्मित गृहकर एवं विविध उपविधि नियमावली 2021 में वर्णित सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत वर्तमान नगर पालिका परिषद मंझनपुर (पूर्व नगर पंचायत) के वार्ड नं. 03,मोहल्ला चमनगंज, के भवन क्रमांक संख्या-03/163, के भवन स्वामी श्री पंचम लाल पुत्र बादल एवं श्री केशन लाल, पुत्र पंचम लाल का नाम पंजीकृत बैनामा संख्या 581/2005 (दिनांक 12.04.2005) के आधार पर खारिज कर उनकी जगह उपरोक्त भवन के स्वामी के रूप में श्रीमती मालती देवी पत्नी श्री राम चन्द्र, निवासी चमनगंज, मंझनपुर, कौशाम्बी का नाम संशोधन हेतु प्रस्तावित है। उपरोक्त प्रस्तावित संशोधनों पर यदि किसी व्यक्ति/समूह/हित लाभी को कोई आपत्ति हो तो उपरोक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर साक्ष्य सहित लिखित आपत्ति नगर पालिका परिषद मंझनपुर कौशाम्बी के कार्यालय में उपलब्ध करा दें अन्यथा उपरोक्त भवन/भुवन संशोधित नाम अंकित करने की कार्यवाही नियमानुसार पूर्ण कर की जायेगी। प्राप्त आपत्ति के साथ आपत्तिकर्ता लिखित साक्ष्य द्वारा मु0 एक हजार रूपये आपत्ति शुल्क के रूप में जमा करना होगा, जो आपत्ति के सही पाये जाने पर आपत्तिकर्ता को वापस कर दी जायेगी तथा गलत आपत्ति पाये जाने की स्थिति में उपरोक्त आपत्ति शुल्क विभाग के पक्ष में जब्त कर लिया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मंझनपुर-कौशाम्बी

पत्रांक संख्याः 745 (2)/न.पा.परि.मं./2022 दिनांक 11.10.2022

माध्यमिक विद्यालयों में हुई लोकगीत गायन प्रतियोगिता

संचारी रोग से बचाव की दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल के आदेशानुसार जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ सर्वदा नंद द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद समस्त माध्यमिक विद्यालयों में लोक गीत गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा संचारी रोगों से बचाव तथा नियंत्रण के लिए संवेदीकरण किया गया।

राजकीय इंटर कालेज बरहदा में प्रधानाचार्य डॉ विंध्याचल सिंह के निर्देशन में डॉ रुचि पाण्डेय, ललिता पटेल, दीपक कुमार सिंह, राजेश कुमार और अशोक कुमार के संयोजन में लोक गीत गायन प्रतियोगिता कराई गई। इसी प्रकार पीबी इंटर कालेज प्रतापगढ़ सिटी में प्रधानाचार्य डॉ अनूप सिंह के निर्देशन में, राजकीय इंटर कालेज चंदीगोविंदपुर में प्रधानाचार्य राव चंद्रेश सिंह व नोडल अधिकारी विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम डॉ सालिक राम प्रजापति

गायन प्रतियोगिता में लोकगीत गाती छात्राएं।

के संयोजन में, राजकीय बालिका इंटर कालेज आसपुर देवसरा में प्रधानाचार्य डॉ आम्रपाली द्विवेदी के निर्देशन में, राजकीय उ मा वि राजापुर में प्रधानाचार्य सुर्येश प्रताप सिंह के निर्देशन में, राजकीय बा इंटर कालेज विहार में प्रधानाचार्या मनीषा रावत के निर्देशन में, राजकीय बालिका इंटर कालेज पट्टी में प्रधानाचार्य कंचन मिश्रा के निर्देशन में, राजकीय उ मा वि कंधई मधुपुर में प्रधानाचार्य राजपति यादव के निर्देशन और तृप्ति गुप्ता के संयोजन में, राजकीय उमावि हरनाहपुर में प्रधानाचार्य कविता मिश्रा के निर्देशन में, राजकीय उमावि पुरैला में प्रधानाचार्य गीता यादव के निर्देशन और सीमा के संयोजन में, राजकीय उमावि दमदम में प्रधानाचार्य कहकशा सफी के निर्देशन में, राजकीय उमावि रसूलपुर में प्रधानाचार्य अशोक कुमार के निर्देशन में, राजकीय उमावि बेधनगोपालपुर में प्रधानाचार्य रेखा द्विवेदी के निर्देशन में, राजकीय उमावि सुल्तानपुर गौरा में प्रधानाचार्य पीपी यादव के निर्देशन में, राजकीय उमावि अतरौरा में प्रधानाचार्य अखिलेश सिंह के निर्देशन में, राजकीय उमावि कांपा में प्रधानाचार्य नीरू श्रीवास्तव के निर्देशन में, राजकीय उमावि कुकुआर में प्रधानाचार्य ऊर्मिला वर्मा के निर्देशन में, राजकीय बा इंटर कालेज खरवई में प्रधानाचार्य पूनम श्रीवास्तव के निर्देशन में, राजकीय उमावि धौरहरा में प्रधानाचार्य करिज्मा खान के निर्देशन में, राजकीय उमावि नई कोट गौरा में प्रधानाचार्य ऊष्मा यादव के निर्देशन में, निर्देशन में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत लोक गीत गायन प्रतियोगिता कराई गई तथा समस्त स्टाफ, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा क्षेत्रीय जनमानस में जागरूकता उत्पन्न की गई।

बाजार में करवा चौथ के लिये महिलाओं की उमड़ी भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। करवा चैथ के लिये महिलाओं की भीड़ शहर में इन दिनों बाजारों में उमड़ पड़ी है। शहर के पंजाबी मार्केट में महिलाएं चूड़ी, करवा, साड़ी व श्रृंगार के सामान खरीद रही हैं। बता दें कि 13 अक्टूबर को महिलाएं अपने पति के लिये दिन भर निराजल व्रत रखेंगी और शाम को पूजा करेंगी। पूजा करने के लिये सामग्री के अलावा अपने श्रृंगार की खरीदारी के लिये निकल रही हैं। हिन्दुओं के घरों में इस करवा चैथ का महत्व माना जाता है। इसमें ज्यादातर विवाहित महिलाएं अपने पतियों के सुख समृद्धि के लिये यह व्रत रखकर शाम को विधि विधान से पूजा अर्चन करती हैं। आजकल अविवाहित किशोरी भी अब अपने अच्छे भावी पति के लिये यह व्रत रखती हैं। बाजारों में इन दिनों महिलाओं की

करवा चौथ कल, घरों में तैयारियां पूरी।

जबरदस्त भीड़ देखी जा रही है। इसमें चैक, पंजाबी मार्केट आदि दुकानों पर महिलाएं खरीदारी करती देखी गई।

कांग्रेसियों ने शोकसभा कर जताया मुलायम के निधन पर दुख

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव के निधन पर मंगलवार को विधायक के कैम्प कार्यालय पर कांग्रेसियों ने शोकसभा आयोजित किया। कैम्प कार्यालय पर बडी संख्या में जुटे कांग्रेसियो ने मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

शोकसभा की अध्यक्षता प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी व संयोजन चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने किया। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल द्वारा किया गया। इस मौके पर छोटेलाल सरोज, पप्पू तिवारी, अनिल महेश, विकास पाण्डेय, प्रीतेन्द्र ओझा, विनय पाण्डेय, मुन्ना शुक्ल, महादेव प्रजापति, शिवम पाण्डेय आदि रहे।

सपाईयों ने मुलायम को अर्पित की श्रद्धांजलि, संघर्ष को किया याद

कैम्प कार्यालय पर मुलायम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते कांग्रेसी।

उधर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन पर सपा कार्यकताओं ने शोक सभा कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। बैठक को संबोधित करते हुए सपा नेता टीपी यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने समाजवाद तथा लोहियावादी विचारधारा को सशक्त बनाते हुए समाज के कमजोर तबके के मान सम्मान की मजबूती के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया। बैठक की अध्यक्षता भइयाराम पटेल व संचालन रामधन यादव ने किया। इस मौके पर रामलगन यादव, राजेश यादव, मिथलेश मिश्र, प्रवीण यादव, विमल यादव, हरीश पाण्डेय, अमृतलाल यादव, अवधेश विश्वकर्मा, ज्ञानेन्द्र यादव, प्रकाशचंद्र उपाध्याय, दयाशंकर यादव, बुधराम वर्मा, संतोष वर्मा, अजीत यादव, सैयद शफीक, उदयराज यादव आदि रहे।

अधिवक्ताओं ने मुलायम सिंह यादव को दी श्रद्धांजलि

कचहरी परिसर में श्रद्धांजलि देते अधिवक्तागण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कचहरी परिसर स्थित संकटमोचन धाम पर उ0प्र0 के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव व जूनियर बार एसोसिएषन के पूर्व अध्यक्ष गणेष नारायण मिश्र की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अधिवक्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी, जिसमें प्रमुख रुप से जनसत्ता दल के जिलाध्यक्ष राम अचल वर्मा, जूबाए महामंत्री संतोष नारायण मिश्र, पूर्व महामंत्री जेपी मिश्र, जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा, रुलर बार एसोसिएषन के प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा, आसिफ सिद्दीकी, दिवाकर सिंह, विवेक दत्त मिश्र, दीपक, दिनेष तिवारी, हरी शुक्ला, विकास सिंह, सचीन्द्र सिंह आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

सड़क को सीसी रोड करने की ब्यापारियों ने आवाज उठाई

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ नेशनल हाइवे से जुड़ा परियावां लवाना मार्ग में डाक बंगला अरखा रजबहा से पाइकगंज बाजार प्राइमरी स्कूल तक व परियावां रेलवे फाटक से परियावां नवाब हवेली तक सीसी रोड बनाने की ब्यापारियों ने जन प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री से की है। विभाग द्वारा नवाबगंज चैराहे से तीन टुकड़ो में अलग अलग सीसी रोड बनने से जहाँ ब्यापारियों को राहत मिली वही दूसरी तरफ क्षति ग्रस्त डामर सड़क से लोगो का गुजरना दुस्वार हो गया है जगह जगह सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है जिस पर राहगीर के साथ स्कूली बच्चे व छात्र छात्राये बरसात के दौरान सड़को के गड्ढे में भरे पानी मे गिरकर चुटहिल होते है यदि क्षतिग्रस्त डामर सड़क की जगह सी सी रोड बन जाये तो राहगीरों की समस्या दूर हो जाये और विभाग को बार बार सड़क की मरम्मत से छुटकारा मिल जाये। मांग करने वाले ब्यापारियों में मुख्य रूप से मिश्रीलाल विश्वकर्मा, सन्नो शुक्ला, अनिल मौर्य (प्रधान परियावां), पप्पू गुप्ता, अर्जुन गुप्ता, कक्कू अग्रहरि, मोहित मिश्रा, शमीम अहमद, रिजवान अंसारी, गिरिजाशंकर अग्रहरि, सजनलाल जायसवाल, बच्चन तिवारी, संतोष कुमार पांडेय, ननके पांडेय, नवाब नकी अहमद, श्रवण कुमार पांडेय, आदि लोग शामिल है।

संदिग्ध परिस्थितियो में आग लगने से विवाहिता की मौत

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के नटोही गाव निवासी फूलकली पत्नी राधे सरोज (40) वर्षीय की घर के अंदर कुण्डी लगाकर मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से गम्भीर रूप से जल गई शोर मचने पर आस पास के लोग दौड़ पड़े जिसे आनन फानन में परिजन लोग कुंडा सीएससी ले गए जहां उपचार के दौरान फूलकली की मौत हो गई।

वर्षा से इस बार पिछड़ गई आलू की फसल

अक्टूबर माह में 250 मिली वर्षा से धान की फसल को हुआ भारी नुकसान

प्रतापगढ़। इस बार अक्टूबर माह में सावन जैसी बरसात होने से जहां आलू की फसल पिछड़ गई है, वहीं खेतों में पानी भरा रहने से धान की फसल डूब गई है। इससे किसान परेशान हैं। किसानों का कहना है कि इस समय खेतों में पानी भरा है, इसलिये आलू की बुआई नहीं हो पा रही है।

खेत सूखने पर ही आलू की बुआई हो पाएगी। बता दें कि दषहरे की शाम 145 मिमी वर्षा हुई थी और सोमवार की भोर में चार घंटे की वर्षा में 103 मिमी पानी बरसा। इससे ग्रामीण इलाकों में पानी भर गया जिससे किसान सबसे ज्यादा परेषान हैं। धान की फसल भी ज्यादातर पानी में डूब गई है और जो बची भी है, चारों तरफ पानी भरा होने से उसे काटा नहीं जा पा रहा है। अगर वर्षा न रुकी तो धान खेत में ही सड़ जाएंगे। जानकार लोगों का कहना है कि इस माह में धान कटने लगते थे और आलू की बुआई शुरू हो जाती थी। किसान इस बात से भी परेषान हैं कि उसकी धान की फसल तो बिल्कुल बर्बाद हो सकती है। आलू तो वर्षा रुकने पर देर सबेर बोया जा सकता है। बता दें कि सोमवार की भोर में 103 मिली मीटर बारिष के बाद दिन में धूप निकली लेकिन शाम को बादल फिर किसानों को डराने लगे कि कहीं बारिष न हो जाए। मंगलवार को वर्षा तो नहीं हुई तो लेकिन सुबह से ही बादल छाये हुए थे। इससे भी किसान डरा हुआ है।

प्लेटफार्म एक से जायेगी पद्मावत, भोपाल और उद्योग नगरी

अभी तक महत्वपूर्ण ट्रेनों के लिए प्लेटफॉर्म निर्धारित नहीं था

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ से चलने वाली लंबी दूरी की महत्त्वपूर्ण ट्रेनों में शुमार पद्मावत, भोपाल और उद्योग नगरी के मुसाफिरों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफॉर्म के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं हैं। इन ट्रेनों के लिए प्लेटफॉर्म एक निर्धारित कर दिया गया है। मंगलवार से पद्मावत एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म एक से चलाकर इसकी शुरूआत कर दी गई है। अब ये ट्रेनें प्लेटफार्म एक से रवाना होंगी।

अभी तक ट्रेनों का प्लेटफार्म निर्धारित नहीं था। हालांकि इन तीनों ट्रेनों को अभी तक अधिकतर प्लेटफॉर्म तीन से चलाया जाता रहा है। बीच बीच में बदलाव भी हो जाता है। प्लेटफार्म का निर्धारण न होने से यात्रियों को काफी दिक्कतें आती हैं। दिव्यांग, बुजुर्ग और महिला यात्रियों को खासकर परेशानी उठानी पड़ती हैं। सहूलियत के हिसाब से पुल भी नहीं बना है। जिससे उन्हें मजबूरी में रेलवे लाइन पार करने का भी जोखिम उठाना पड़ जाता है। अधिकारियों के समक्ष भी यह समस्या कई बार उठी लेकिन कोई ठोस निराकरण नहीं हो सका। रिमाडलिंग के बाद स्टेशन का लुक बदल गया। यार्ड विस्तार होने का फायदा हुआ कि प्लेटफार्म की संख्या बढ़ने के साथ एक और दो की लम्बाई भी बढ़ गई। जगह मिली तो ट्रेनों के

अब मुसाफिरों की यात्रा हो जायेगी आसान

संचालन में भी सहूलियत हो गई। इसका लाभ यात्रियों को मिल सके। इसके लिए स्टेशन अधीक्षक ने पहल की। उन्होंने दिल्ली जाने वाली पद्मावत एक्सप्रेस, भोपाल जाने वाली भोपाल और मुंबई की ट्रेन उद्योग नगरी के लिए प्लेटफार्म एक को निर्धारित कर दिया है। अब ये ट्रेनें एक नंबर से छूटेगी। यात्री प्लेटफार्म पर पहुंचेंगे सामने ट्रेन खड़ी नजर आएगी। इस बारे में एसएस शमीम का कहना है कि पद्मावत सहित तीनों ट्रेनों के संचालन के लिए प्लेटफॉर्म एक को निर्धारित कर दिया गया है। इमरजेंसी में इसमें बदलाव भी संभव है।

बारिश के बाद धूप निकलने पर गिरा कच्चा घर

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। इन दिनों आये दिन हो रही वारिश के चलते कच्चा घर गिरने का सिलसिला जारी है जिससे क्षेत्र मे हड़कम्प मचा हुआ है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के कड़रौ कोथरिया गाव निवासी विधवा जगरानी पत्नी स्व0 पारसनाथ पटेल का कच्चा घर रविवार की रात हुई जोरदार वारिश के चलते सोमवार को धूप निकलने पर ढह ढहा गया जिससे घर के लोग बच गए संयोग अच्छा था कि मकान के गिरे हिस्से में घर का कोई सदस्य मौजूद नहीं था।

जेएमजी स्कूल के कबड्डी खिलाड़ियों का हुआ चयन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के नवाबगंज थाना क्षेत्र के जे एम जी पब्लिक स्कूल कालाकांकर के कबड्डी खिलाड़ियों का ट्रायल के दौरान मुम्बई ब्रोफोन स्टेडियम में प्रतियोगिता में भाग लेने पर अच्छी प्रतिभागी होने पर सभी खिलाड़ियों का नेशनल अंडर 19 में चयन किया गया।

चयन में मयंक यादव, सागर साहू, अंश मौर्य, अविनाश सिंह, अजीत सिंह, अंशुमान, ऋषभ यादव, अमन यादव व शिवांश बालाजी रहे। सभी खिलाड़ियों को स्कूल के प्रधानाचार्य ने 7 अक्टूबर 22 को मुबई स्टेडियम में कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये भेजा था। जिनका चयन अंडर 19

मुबई में नेशनल अंडर 19 में हुए चयनित

जेएमसी स्कूल के चयनित कबड्डी खिलाड़ी।

में चयन होने की खबर मिलते ही सभी खुशी से झूम उठे। सभी खिलाड़ी को मंगलवार को वापस आने पर स्कूल के प्रबन्धक वी के शुक्ला, चेयरमैन विश्वनाथ शुक्ला व प्रिंसिपल मुनीश शर्मा व समस्त स्टाफ के साथ मिश्रपुर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार उर्फ गुड्डु ओझा,प्रताप नारायन मिश्र, शौरभ शुक्ला, राकेश सरोज(ग्राम प्रधान) कोच अंकित पाल व अन्य लोगो ने 9 सदस्यी टीम को माला पहनाकर जोरदार स्वागत करते हुए मिठाईयां खिलाते हुए हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खिलाडियों ने मुबई में जाकर कालाकांकर का नाम रोशन कर सराहनीय कार्य किया।

कंस वध लीला मेला में उमड़ी भीड़

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कई दशक से चला आ रहा नवाबगंज का कंस वध लीला मेला का दो दिवसीय आयोजन मंगलवार को शुरू हुआ जिसमें मेला कमेटी के द्वारा सभी दुकानदारों को दुकान लगाने की ब्यवस्था की गई मेले में खाने पीने के साथ प्लास्टिक व लकड़ी के सामानों की दुकान सजी रही मेले की मशहूर चाट की दुकानों पर खाने वालों की भारी भीड़ लगी रही मिठाई की दुकानों में सबसे ज्यादा गुड़ की जलेबी की बिक्री जमकर हुई। मेले में कमेटी के द्वारा बच्चो की भव्य झांकी देखने को मिली कंस के बने 8 फुट के पुतले को देखने वालों की भीड़ जमा रही।

मेले में नन्हे मुन्ने बच्चो ने बासुरी व गुब्बारे की खूब खरीददारी किया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चैराहे पर नवाबगंज पुलिस मौजूद रही मेले में शरारती तत्वो पर नजर मेला कमेटी के पदाधिकारी लोग अलग अलग सेक्टर में घूम घूम कर सुरक्षा ब्यवस्था में लगे रहे। रात को दुकानदारों के मनोरंजन के लिए कमेटी की तरफ से नौटंकी का प्रोग्राम किया गया है दो दिवसीय मेला का समापन बुधवार को कंस के पुतले को आग के हवाले करके समापन किया जाएगा। मेले को सकुशल सम्पन कराने के लिए नवाबगंज थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी ने उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह को मेला इंचार्ज का जिम्मा सौंपा है जो अपने तेज तर्रार सिपाहियों के साथ अलग अलग टुकड़ी में भ्रमण करते रहे ताकि शरारती तत्वो को पकड़ सके।

बंद घर से खंगाल ले गए चोर कीमती सामान व जेवर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के ढकवा बाजार के सुल्तानपुर मार्ग पर स्थित मकान में चोरों ने ताला तोड़कर जेवर व नकदी सहित अन्य सामानों पर हाथ साफ कर दिया। आसपुर देवसरा क्षेत्र के मानापुर गांव के सभापति सिंह का मकान ढकवा बाजार में है। उन्होंने अपना मकान एक बैंक के शाखा प्रबंधक को किराए पर दे रखा है। छुट्टी होने के कारण शाखा प्रबंधक घर चले गए। इसी बीच चोरों ने रात में मेन दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गए। सोने-चांदी के जेवर सहित नकदी व अन्य सामान चोर यहां से उठा ले गए। घटना की जानकारी तब हुई जब किराएदार मकान पर पहुंचे। उन्होंने इस घटना की सूचना पुलिस को दी है। मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे और जांच की।

प्रेमी ने ही उतारा था विवाहिता आरती को मौत के घाट, पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

अड़तालिस घण्टे में हत्याकांड का खुलासा करने मे सफल हुई खाकी, आरोपी गया जेल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज पुलिस को विवाहिता युवती की हत्या महज अडतालिस घण्टे में पदार्फाश किये जाने को लेकर बडी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्यारोपी को भी हिरासत मे लेकर जेल भेज दिया। हत्याकांड की वजह आशनाई ही उभर कर आयी।

लालगंज कोतवाली के चकोदर गांव में रविवार की रात विवाहिता युवती के धान के खेत मे जघन्य हत्या कर दी गयी थी। गांव के श्यामलाल वर्मा की पुत्री आरती (26) बीती छह अक्टूबर को अपनी ससुराल संग्रामगढ़ थाना के काशीपुर से मायके आयी हुई थी। युवती का विवाह काशीपुर निवासी अनिल वर्मा के साथ एक वर्ष पूर्व हुआ था। घटना को लेकर मृतका की मां प्रभावती की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने युवती के फोन नंबर को टेज्स कराया तो उसका सम्बन्ध थाना सलोन के भवनी का पुरवा लहुरेपुर निवासी स्व. बंशीलाल प्रजापति के पुत्र हंसराज प्रजापति के फोन नंबर से जुडा पाया गया। मृतका का मायका चकोदर भले ही प्रतापगढ और हत्यारोपी का घर रायबरेली जिले में जुडा हुआ है किंतु दोनों गांवो के बीच की दूरी महज दो से ढाई किलोमीटर सीमावर्ती है। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने पुलिस टीम के साथ मंगलवार की सुबह आरोपी को उसके घर से दबोच लिया। पुलिसिया पूछताछ मे विवाहिता की हत्या की वजह आशनाई निकली। अटठाईस वर्षीय हत्यारोपी का भी विवाह हो चुका है। इस बीच युवती का परिजनों ने विवाह कर दिया किंतु उसका प्रेम सम्बन्ध हत्यारोपी के साथ बदस्तूर परवान चढ़ा रहा। घटना की रात हत्यारोपी हंसराज को युवती ने फोन कर घर के बगल एक खेत मे मिलने को बुलवाया।

हंसराज रात ग्यारह बजे अपने गांव से नाले को पार करते हुए युवती के गांव मिलने के तय स्थान खेत मे पहुंच गया। इधर युवती के हंसराज के साथ अवैध सम्बन्धों की जानकारी मृतका की मां व छोटी बहन को भी थी। मां और बहन ने मृतका को फोन आने के बाद घर से नहीं निकलने दिया। देर रात जब घर के अन्य सदस्य सो गये तो आरती घर से निकली और दरवाजे पर बाहर से कुण्डी लगाकर हंसराज से मिलने खेत पहुंच गयी। नियत समय से काफी विलम्ब रात करीब दो बजे युवती पहुंची तो उसका प्रेमी विफर पडा। दोनों के बीच बातचीत हाथापाई मे बदल गयी। इस पर हत्यारोपी ने आरती को खेत मे पटक दिया जिससे आरती बेहोश हो गयी। गुस्साए हत्यारोपी को जब यह समझ मे आया कि आरती मारपीट की घटना लोगों को बता सकती है तो उसने खेत में लगे एक लकडी के कुंदे को उखाड लिया। पहले हत्यारोपी आरती के सीने पर कुंदा रखकर उसपर चढ गया।

इसके बाद गुस्से मे हंसराज ने कुंदे के नुकीले छोर से आरती के चेहरे पर कई वार कर दिये। इससे आरती के चेहरे व गर्दन पर चोट लग गयी। हत्या के बाद आरोपी मौके से अपने घर भाग निकला। पुलिस की पकड मे आने के बाद हत्यारोपी ने रोते बिलखते घटना की रात की कहानी बयां की। पुलिस ने युवती हत्याकांड मे दर्ज मुकदमें में हत्यारोपी हंसराज को जेल भेज दिया। मंगलवार को कोतवाली मुख्यालय पर प्रभारी क्षेत्राधिकारी अमरनाथ गुप्ता ने हत्याकांड का विधिवत खुलासा किया। सीओ ने बताया कि हत्या मे प्रयुक्त लकडी का डंडा, हत्यारोपी के कपड़े, मृतका की टूटी हुई चूड़ियां व मूंगा तथा घटना के समय वार्तालाप से जुडे मोबाइल को भी पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस टीम में शामिल रानीगंज कैथौला चौकी इंचार्ज निकेत भारद्वाज व आरक्षियों की प्रभारी सीओ ने घटना के त्वरित खुलासे को लेकर सराहना भी की।

खबर संक्षेप

मतदान केंद्रों में परिवर्तन की भाजपा नेता ने उठाई मांग

कौशांबी। नगर निकाय के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं और इसी बीच नगर निकाय के चुनाव में तमाम खामियां दिखाई पड़ने लगी हैं नगर पालिका परिषद मंझनपुर क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 चौधरी बैजनाथ नगर में नेता नगर व नेहरू नगर का मतदान केंद्र गांधीनगर में बना दिया गया है जिससे मतदाताओं को मतदान के समय दिक्कतों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नेता प्रेमचंद चौधरी ने एसडीएम को बताया कि इसके पूर्व नेता नगर के प्राथमिक विद्यालय में मतदान केंद्र बनाया जाता रहा इसी तरह वार्ड नंबर 7 का मतदान केंद्र कस्तूरबा गांधी विद्यालय में होना चाहिए लेकिन मतदान केंद्र दूर बना दिया गया है। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रेमचंद चौधरी ने एसडीएम मंझनपुर को पत्र देकर कहा है कि मतदाताओं के हित को ध्यान में रखते हुए चौधरी बैजनाथ नगर का मतदान केंद्र प्राथमिक विद्यालय नेता नगर में बनाया जाए तथा वार्ड नंबर 7 का मतदान केंद्र कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बनाया जाए जिससे मतदाताओं को दिक्कतों से न जूझना पड़े। भाजपा नेता प्रेमचंद चौधरी ने मतदान केंद्रों के परिवर्तन करने की सूचना जिला अधिकारी और अपर डीएम को भी दे दी है।

अनियंत्रित कार ने बाइक सवारों को रौंदा दो की मौत, एक युवक गंभीर घायल

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। महेवा घाट थाना क्षेत्र के यमुना ब्रिज के ऊपर बाइक सवार युवकों को अनियंत्रित कार ने रौंद दिया है हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है और एक व्यक्ति गंभीर घायल है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है और हादसे में मृतकों के शव के कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के जुबरा नारा गांव निवासी विष्णु सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र छेदीलाल सिंह अपने गांव के अशोक कुमार सिंह उम्र 30 वर्ष पुत्र गुलाब सिंह और रंजीत सिंह उम्र 16 वर्ष पुत्र लखन सिंह के साथ बाइक से चित्रकूट जनपद के सरधुआ थाना अंतर्गत बरद्वारा गांव रिश्तेदारी गए थे मंगलवार की दोपहर बाइक सवार तीनों लोग वापस जुबरा गांव लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार महेवा घाट थाना क्षेत्र के यमुना ब्रिज के ऊपर पहुंचे अनियंत्रित कार चालक ने बाइक सवारों को रौंद दिया जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े हादसे में विष्णु सिंह की घटनास्थल पर मौत हो गई है और इलाज को अस्पताल ले जाते वक्त रंजीत सिंह की भी रास्ते में मौत हो गई है इस हादसे में घायल अशोक सिंह का जिला अस्पताल में गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है हादसे के बाद घटनास्थल पर राहगीर और अगल-बगल के गांव के लोग पहुंच गए हैं मामले की सूचना पुलिस को ग्रामीणों ने दी है घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने बचाव एवं राहत कार्य शुरू कर दिया है हादसे की जानकारी जैसे ही मृतक के परिजनों को मिली रोते बिलखते परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर साले की मौत बहनोई गंभीर

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल कस्बे में पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार साले बहनोई को अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दिया है घटना सोमवार देर रात की है हादसे में साले की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई है और बहनोई गंभीर घायल हैं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है सूचना पाकर घटनास्थल पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे का शिकार मृतक युवक

घटनाक्रम के मुताबिक पिपरी थाना क्षेत्र के चलौली गांव निवासी राहुल कुमार उम्र 22 वर्ष पुत्र लवकुश अपने बहनोई आकाश पुत्र अर्जुन निवासी डीहा चायल के साथ बाइक से वापस चायल लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार चायल कस्बे के एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे कि अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और तड़पने लगे हादसे में साले राहुल कुमार उम्र 22 वर्ष की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई है और बहनोई आकाश कुमार गंभीर रूप से घायल हैं सूचना पाकर स्थानीय पुलिस चौकी के चौकी इंचार्ज फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हैं और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है और रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

सब्जी व्यापारी को ट्रक ने मारी टक्कर एक की मौत एक गंभीर घायल

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के दो युवक सोमवती की भोर बाइक से प्रयागराज के मुंडेरा मंडी सब्जी खरीदने गए थे सोमवार को दस बजे दोनों युवक बाइक से वापस चरवा लौट रहे थे वापस लौटते वक्त पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर के पास साइड से ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दिया इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई है और दूसरा युवक गम्भीर घायल है हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ लग गई है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है और रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के चरवा निवासी राजेश कुमार कुशवाहा उम्र 32 वर्ष पुत्र ननकू कुशवाहा सब्जी बेचकर परिवार का जीविकोपार्जन करते हैं उनके 10 साल की बेटी और 8 साल का बेटा है राजेश कुशवाहा सोमवार की भोर में अपने साथी राजू पुत्र छेदी लाल कुशवाहा के साथ बाइक से मुंडेरा सब्जी मंडी सब्जी खरीदने गए थे सब्जी खरीदने के बाद राजेश अपने साथी राजू के साथ बाइक से वापस चरवा लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर के पास पहुंचे कि तेज गति अनियंत्रित ट्रक ने साइड से बाइक सवारों को टक्कर मार दिया हादसे में सब्जी ब्यापारी राजेश कुशवाहा ट्रक के नीचे आ गए

मंगलवार को पोस्टमार्टम से लाश वापस घर पहुँची तो परिवार में फिर कोहराम मच गया

सब्जी व्यापारी की मौत पर रोते बिलखते परिजन

और घटनास्थल पर ही मौत हो गई है हादसे में राजू को गंभीर चोट लगी हैं हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दिया और घायल को इलाज के लिए मुंडेरा के अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है और पत्नी उमा कुशवाहा समेत परिजन रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंच गए हैं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मंगलवार को पोस्टमार्टम से लाश वापस पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया है अचानक हुए इस हादसे के बाद पूरा गांव सदमे में है।

जिलाधिकारी ने की विशेष जिला सलाहकार समिति की बैठक

जनपद के प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को बैकिंग से जोडने एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त किया जायेंगा

पायलट अभियान में पूरे देश में 07 जनपदों को चयनित किया गया है, उ0प्र0 से केवल कौशाम्बी जनपद को किया गया चयनित

15 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक प्रत्येक शनिवार को ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में बैकों द्वारा कैम्प का आयोजन

सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में उदयन सभागार में विशेष जिला सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में एल0डी0एम0 ने बताया कि वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय समावेशन से सशक्तीकरण के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत के प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को बैकिंग से जोडने एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त करने के लिए दिनांक 15 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक पायलट अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने बताया कि पायलट अभियान में पूरे देश में 07 जनपदों को चयनित किया गया है, जिसमें उ0प्र0 से केवल कौशाम्बी जनपद को चयनित किया गया है। 15 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक प्रत्येक शनिवार को ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में बैकों द्वारा कैम्प का आयोजन कर प्रत्येक व्यक्ति का निःशुल्क खाता खोला जायेंगा केवाईसी की जायेंगी, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से लाभान्वित किया जायेंगा तथा के0सी0सी0 एवं मुद्रा लोन के आवेदन प्राप्त किये जायेंगें। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को संतृप्त किया जायेंगा। उन्होंने बताया है कि स्वंय सहायता समूह एवं एफपीओ के खाते खोले जायेंगें। जिलाधिकारी ने एलडीएम को बैकों का रोस्टर बनाकर प्रत्येक ग्राम पंचायत में कैम्प का आयोजन कराने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार घर-घर जाकर कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को कैम्प में स्वयं प्रतिभाग कर विभागीय योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने डीपीआरओ को ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर आवश्यक कार्यवाही करने एवं प्रत्येक कैम्प में ग्राम प्रधान की उपस्थिति अवश्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस कार्य में बी0सी0 सखी, आगनवॉडी एवं आशा कार्यकत्री का सहयोग लिया जाय। उन्होंने सभी बैकर्स को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने ब्लाक स्तर पर बैठक कर अपेक्षित कार्य करने के भी निर्देश दिये।

दो बार दुर्घटना के बाद पुलिस को सूचना दिए जाने पर दबंगों ने पीड़ितों को पीटा

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के कुंदनपुर गांव की सोनी देवी उर्फ संगीता देवी की 11 वर्षीय भतीजी अनामिका देवी को 11 दिसंबर 2021 को गांव के तिलक सिंह ने मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर घायल कर दिया था इस दुर्घटना में बच्ची का पैर टूट गया मामले की सूचना पुलिस को दी गई थी लेकिन पुलिस ने आरोपी पर कार्यवाही नहीं की लगातार सुलह समझौते का दबाव बनाया जाता रहा इसके बाद 4 जून को फिर सोनी देवी के लड़का राजन को मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर तिलक सिंह ने घायल कर दिया है जिससे उसके हाथ पैर में गंभीर चोट लगी थी दूसरी बार कि यह दुर्घटना संयोग थी या जान बूझकर बालक को घायल किया गया है। यह बड़ी जांच का विषय है इस मामले की भी सूचना पीड़ित ने पुलिस को दिया लेकिन इसके बाद भी न तो मुकदमा दर्ज हुआ ना आरोपियों पर कार्रवाई हुई पुलिस को सूचना दिए जाने से बौखलाए आरोपियों ने पीड़ित परिवार को गाली गलौज कर मारपीट किया था मारपीट की भी सूचना पुलिस को दी गई कार्यवाही ना होने पर सीओ एसपी कार्यालय और जनसुनवाई में भी शिकायतें दर्ज कराई गई लेकिन फिर भी आरोपियों पर थाना पुलिस ने कार्यवाही नहीं की इसके बाद फिर 5 जून को आरोपियों ने लाठी डंडा से पीड़ित परिवार के घर में चढ़कर हमला किया पूरे परिवार को मारा पीटा फायरिंग करते हुए दहशत फैलाई गई सूचना देने के बाद भी इस मामले में भी थाना पुलिस ने कार्यवाही नहीं किया हमले की जानकारी बार-बार पुलिस को सूचना देने से आरोपियों के साथ-साथ पुलिस भी उत्तेजित हो गई सोमवार के दिन थाने के दो सिपाही पीड़ित महिला सोनी देवी के घर पहुंचे और घर पर उसकी देवरानी राधा देवी को दोनों सिपाहियों ने गाली गलौज कर धमकी दी ओर तहरीर वापस लेने शिकायत न करने का दबाव बनाया है जिस पर पीड़ित महिला मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची है और आरोपियों के कारनामो के साथ-साथ थाना पुलिस के कारनामों को बताते हुए न्याय की मांग की है आरोपियों के विरुद्ध इसके पूर्व भी कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं बताया जाता है कि आरोपी तिलक सिंह ग्राम प्रधान का गनर है और ग्राम प्रधान का इलाके में आतंक है दबंग ग्राम प्रधान के दबाव में उसके गनर पर थाना पुलिस कार्यवाही करने का साहस नहीं कर पा रही है।

महिला के हत्या खुलासे की जानकारी देते एसपी

दोस्तों के संग मिलकर पति ने की थी महिला की हत्या

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के धनपरा गांव में ससुर खदेरी नदी में एक विवाहिता की लाश मिली थी पुलिस ने विवाहिता की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है और उसके दूसरे पति समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है घटना का खुलासा पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता के दौरान दी है। घटनाक्रम के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के पवैया गांव निवासी शिव मोहन की बेटी संजू देवी उर्फ सरोज की शादी अराईं गांव निवासी लालता प्रसाद से हुई थी लेकिन दोनों के बीच विवाद रहने लगा और संजू ने मुकेश नामक व्यक्ति से दूसरी शादी कर अपना नया जीवन शुरू कर दिया यह बात उसके पहले पति लालता प्रसाद को ठीक नहीं लगी इसी बीच दूसरे पति मुकेश कुमार से भी संजू का विवाद रहने लगा और रहस्यमय परिस्थितियों में संजू की हत्या कर लाश को ससुर खदेरी नदी में पत्थर से बांध कर फेंक दी गई पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुकेश कुमार ने अपने साथी घनश्याम के साथ मिलकर विवाहिता की हत्या कर दी है क्षेत्राधिकारी योगेंद्र कृष्ण नारायण के नेतृत्व में करारी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दरियापुर पवैया मोड़ से छापेमारी कर मुकेश पुत्र भैय्यन निवासी अराईं सुमेरपुर और घनश्याम पुत्र परान सरोज निवासी छोटी पवैया थाना करारी नाम के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है पूछताछ के दौरान दोनों अभियुक्तों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध लिखा पढ़ी कर आरोपियों को अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

न्यूज झरोखा

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ जागरूकता रैली को जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झण्डी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित ह्वबेटी बचाओ-बेटी पढाओह्व जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं से सम्बन्धित मुद्दों एवं समस्याओं के प्रति जागरूकता व बालिकाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।जनपद के विभिन्न विद्यालयों में भारत सरकार की थीम ह्वबेटियॉ बने कौशलह्व पर वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं से सम्बन्धित समस्याओं, कानूनों, लिंग आधारित भेद-भाव, हिंसा, बाल विवाह, वन स्टॉप सेन्टर की कार्य प्रणाली, हेल्पलाईन नम्बरों तथा विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया इस अवसर पर प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक उपाध्याय, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, महिला शक्ति केन्द्र, वन स्टॉप सेन्टर के कर्मचारी तथा बालिकायें उपस्थित रहीं।

शिकायत के बाद जांच करने पहुंचे एडिशनल सीएमओ

पश्चिम शरीरा कौशांबी। पश्चिम सरीरा कस्बे में संचालित स्टार अल्ट्रासाउंड की शिकायत सरोज कुमार पुत्र धनीराम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की थी जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर

एडिशनल सीएमओ डॉक्टर हिंद मणि प्रकाश स्टार अल्ट्रासाउंड सेंटर पश्चिम शरीरा पहुंचे हैं और उन्होंने गहनता से अल्ट्रासाउंड सेंटर के अभिलेखों की जांच की है शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने अपनी पत्नी उषा देवी का अल्ट्रासाउंड स्टार अल्ट्रासाउंड सेंटर पश्चिम सरीरा में कराया था जहां उसकी रिपोर्ट गलत तरीके से बना दी गई है इसकी प्रमाणिकता के लिए उसने दूसरे जिले के अल्ट्रासाउंड सेंटर में फिर से जांच कराई शिकायतकर्ता ने दूसरे जिले के अल्ट्रासाउंड को आधार मानकर स्टार अल्ट्रासाउंड की शिकायत की है जांच के दौरान एडिशनल सीएमओ ने कहा कि अल्ट्रासाउंड सेंटर के अभिलेखों की जांच कर ली गई है रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दी जाएगी और गलत पाए जाने पर कठोर कार्यवाही क्री जायेगी।

पत्नी की साड़ी से फांसी लगाकर युवक ने दी जान

पत्ती बेच कर परिवार का करता था भरण पोषण, परिजन का रो-रोकर बुरा हाल

कौशांबी। करारी कोतवाली के बभनपुरवा गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दिया है। बताया जा रहा है की युवक काफी गरीब था। उसके चार बच्चे थे। युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। सूचना पर

पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया है। करारी कोतवाली के बभनपूरा गांव का सुरेश चंद्र पुत्र बच्ची लाल निहायत गरीब था। सुरेश किसी तरह प्रयागराज में महुआ का पत्ता बेचकर मजदूरी करके अपना और अपने बच्चों का पालन पोषण करता था। सुरेश के चार बच्चे दो बेटे और बेटियां थी। बताया जा रहा है की सुरेश बहुत ही गरीब था। आर्थिक तंगी के चलते मंगलवार को सुरेश ने फांसी लगाकर जान दे दिया। जब तक परिजन कुछ समझ पाते तब तक सुरेश ने फांसी लगा लिया । परिजनों ने दरवाजा तोड़कर बचाना चाहा तब तक सुरेश की जान जा चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर सुरेश की मृत्यु से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने तहसील प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। वहीं करारी थाना प्रभारी का कहना की युवक को फांसी से मौत की सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा भरकर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया है

बारिश के चलते गिरी दीवार 70 से अधिक भेड़ बकरी की मौत

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर द्वारा निर्माण कराई गई एक दीवार बारिश के चलते भरभरा कर गिर गई है जिससे उसके नीचे भेड़ बकरियां दब गई हैं इस हादसे में सैकड़ों भेड़ बकरियों के दब जाने की जानकारी मिल रही है घटना मंगलवार की देर शाम की है मंझनपुर कोतवाली के नगर पालिका परिषद मंझनपुर के गाँधी नगर में नगर पालिका परिषद द्वारा ठेकेदार के माध्यम से दीवार का निर्माण कराया जा रहा है निर्माण में धांधली के चलते पहली ही बारिश में पक्की दीवार गिर गयी बताया जाता है कि दीवार गिरने से उसके नीचे 125 भेड़ और बकरी दीवार के मलबे के नीचे दब गई है जिससे 70 से अधिक भेड़ बकरियों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली के गांधीनगर मोहल्ले के उमेश पाल उर्फ बब्लू की 60 भेड़ बकरी तथा गुलजार पाल की 30 भेड़ और धनराज पाल की 10 भेड़ सहित कई अन्य लोगों की भेड बकरिया मौके पर मौजूद थी बारिश के चलते पक्की दीवार गिर जाने से भेड़ बकरियां दीवार के मलवे में दब गई और उनकी मौत हो गई है सूचना पाकर थाना पुलिस आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं बचाव एवं राहत कार्य कर रहे हैं मलबे के नीचे से 70 से अधिक भेड़ बकरियों के शव निकाले जा चुके हैं।

भागवत कथा श्रवण मात्र से मिलती है पापों से मुक्ति : धनंजय दास

मंझनपुर मडूकी में चल रही भागवत कथा का तीसरा दिन, जुट रही भीड़

कौशाम्बी। कलयुग में भागवत कथा भगवान को जानने का सबसे सरल साधन है। भगवान नारद जी का कहना है कि भागवत कथा श्रवण मात्र से ही प्राणी अपने पापों से मुक्ति पा जाता है इसके लिए जरूरी है कि वह मन में यह पश्चाताप कर

ले कि वह फिर से कभी बाप की ओर नहीं जाएगा। उक्त उद्गार मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास जी महाराज के अनन्य शिष्य धनंजय जी महाराज मंझनपुर तहसील क्षेत्र के मडूकी गांव में चल रही भागवत कथा में मंगलवार को भक्तों को कथा सुनाते हुए कही। उन्होंने कहा कि नारद मुनि सनकादी ऋषि से कहते हैं भागवत कथा वेद पुराण अन्य जितने भी धार्मिक ग्रंथ हैं उनका सार है।मन में भक्ति उत्पन्न होती है और भक्ति जब बढ़ती है तो अपने आप वैराग्य आ जाता है और यह भक्ति मानव जीवन को धन्य बनाते हुए मोक्ष प्रदान करती है। भागवत कथा वह अमृत है, जिसके पान से भय, भूख, रोग व संताप सब कुछ स्वतः ही नष्ट हो जाता है। व्यक्ति को मन, बुद्धि, चित एकाग्र कर अपने आप को ईश्वर के चरणों में समर्पित करते हुए भागवत कथा को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए। भागवत के श्रवण मनन से सात दिनों में सात गांठ फोड़कर, पवित्र होकर, प्रेत योनि से मुक्त होकर भगवान के वैकुण्ठ धाम में चला गया। भागवत कथा के तीसरे दिन राजा परीक्षित जी महाराज की कथा सुनाई गई। जिसमें उन्होंने बताया कि कलयुग के प्रभाव से उनका यश का नाश हो गया वह सोचने लगे कि उन्हें जीवन त्याग देना चाहिए। इस बीच ब्राह्मणों ने बताया कि सांप काटने से उनकी मौत सात दिन बाद हो जायेगी राजपाठ अपने पुत्र जन्मेजय को सौप दिया और गंगा किनारे चले गए और सुकदेव जी महाराज से भागवत कथा सुनी जिनसे उन्हें मोक्ष की प्राप्ती हुई। यह भागवत कथा का महात्म है। इस दौरान रवीन्द्रनाथ शुक्ल, रमेश चन्द्र शुक्ल, दिनेश चन्द्र शुक्ल, सुरेंद्र कुमार शुक्ला, अवधेश नारायण, रामकुमार, योगेंद्र, मालिक मिश्रा, राजेन्द्र प्रसाद, कृष्णा मुरारी, वेद प्रकाश पाण्डेय सत्यार्थी सहित सैंकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे हैं।

रामलीला में ताड़का वध और अहिल्या उद्धार का हुआ मंचन

धनुष यज्ञ ,रावण -वाणासुर संवाद,परशुराम-लक्ष्मण संवाद सीता स्वयंवर का आज होगा मंचन

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा के गांधी चबूतरा मैदान में हो रही रामलीला कार्यक्रम में रविवार रात ताड़का वध,अहिल्या उद्धार,गंगा अवतरण फुलवारी लीला,सुबाहु वध,मारीच पर आक्रमण का मंचन रामलीला कलाकारों ने किया है जिसे देखने के लिए सैकड़ों रामलीला प्रेमी मौजूद रहे ऋषि विश्वामित्र यज्ञ की रक्षा के लिए राजा दशरथ से राम लक्ष्मण को लेकर जाते है रास्ते मे अहिल्या उद्धार का बहुत ही सुंदर मार्मिक मंचन किया जाता है जिसे देख दर्शक भक्त आत्म विभोर हो जाते हैं यज्ञ में बाधा उत्पन्न करने वाली राक्षसी ताड़का का ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा से श्री राम वध कर देते है वध की सूचना से राक्षस सुबाहु और मामा मारीच भगवान श्री राम से युद्ध के लिए आते हैं भगवान श्री राम एक ही बाण से सुबाहु के प्राण हर लेते हैं मारीच को एक तीर से समुद्र में दूर फेंक देते हैं मंचन को देखकर उपस्थित रामलीला प्रेमी श्री राम की जय जयकार करते हैं इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी सहित सैकड़ों रामलीला दर्शक मौजूद रहे।

श्री राम बारात शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

जय श्री राम के उद्घघोष से गुंजायमान हुआ अझुवा घोड़ा डीजे की धुन पर बारात हुई रवाना

अखंड भारीत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा में चल रही रामलीला कमेटी द्वारा डीजे घोड़ा सैकड़ो बारातियों के साथ राम बारात शोभायात्रा निकाली गई है नगर वासियों के अनुसार कस्बे में रामलीला कार्यक्रम वर्षो से होता आया है किंतु इस वर्ष जैसा भव्य धार्मिक उत्साह नही देखा गया राम बारात रामलीला स्थल से सजधज स्कूली छात्र छत्राओं को साथ ले कर भोला चौराहे से पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश कुशवाहा के पुरानी मंडी नए आवास पर पहुंची जहां बारातियों के लिए नाश्ता पानी की बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। इसके पहले रात्रि में मूसलाधार बारिश होने के कारण रामलीला कार्यक्रम नही हो पाया था जिसे आज दोपहर बाद सीता स्वंयम्बर का सजीव मंचन किया गया जिसे देखने के लिए नगर सहित ग्रामीणांचल के लोग मौजूद रहे श्री राम के धनुष तोड़ते ही मौजूद लोगों के जय श्री राम के नारे से क्षेत्र को

राम बारात में शामिल नगरवासी

गुंजायमान कर दिया इसके बाद पूरे नगर पंचायत में श्री राम बारात निकाली गई बारात भोला चौराहे से लाई मंडी होते हुए वरिष्ठ समाज सेवी राम लीला कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा के दरवाजे पर पहुंची वहाँ बारातियों के लिए जल पान की व्यवस्था की गई थी वहीं पर प्रतीकात्मक श्री राम लक्ष्मण की सहित ऋषि की पूजा अर्चना की गई बारात आगे बढ़ी वार्ड नं 12 के सभासद फूलचंद्र केसरवानी ने बारातियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की थी विमल पते ने भी स्वल्पाहार की व्यवस्था की थी ऐसे ही आगे बढ़ने पर दराना के पास गुड्डू दराना ने स्वल्पाहार की व्यवस्था कर बारातियों का स्वागत सत्कार किया है जगह जगह प्रभु श्री राम के प्रतीकात्मक की पूजा अर्चना की है। प्रभु श्री राम की बारात शोभायात्रा पूर्व चेयरमैन के आवास पर होते हुए सब्जी मंडी किराना गली होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पहुंची श्री राम बारात शोभायात्रा के दौरान नगर के नर नारियों ने दरवाजे,छतों से फूल बरसायें हैं जिसकी अलौकिक छटा दिखाई दी है ! शोभायात्रा के दौरान रामलीला कमेटी अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा, अन्जनी कुमार पाण्डेय, चंद्रिका प्रसाद अग्रहरी आशीष चक,आकाश केसरवानी चेयरमैन अनिल कुमार रमेश प्रसाद केसरवानी रवि वैश्य गुड्डू केसरवानी नीरज केसरवानी संतोष पंडा संजय केसरवानी, श्री मति गंगा देवी, सत्येंद्र कुशवाहा, शिव शक्ति कुशवाहा, शिव प्रताप मौर्य, प्रशांत केसरवानी,अरविंद केसरवानी उर्फ मंजू,मसूरियादीन मौर्य,बृजेन्द्र अग्रहरी जय शिव केसरवानी पंकज मौर्य गुड्डू कुशवाहा,विमल मौर्य, मज्जन अली, अशोक गौतम राजू केसरवानी विपिन मोदनवाल नानू रॉय राज कुमार मौर्य सोनू अग्रहरी प्रेम गुप्ता,शिव शक्ति स्वर्णकार प्रेम जायसवाल भैयालाल मौर्य, अमरेंद्र स्वर्णकार उदय केसरवानी शिवम केसरवानी पिंटू पाल मंगल केसरवानी सहित हजारों बाराती शामिल रहे!!शोभायात्रा के दौरान अझुवा पुलिस मय हमराहियों के साथ साथ मौजूद रहे।

नारा पुलिस चौकी क्षेत्र में बेखौफ लकड़ी माफिया काट रहे हैं हरे फलदार पेड़

कौशाम्बी। वन विभाग के अधिकारियों की निरंकुशता और विभागीय कर्मचारियों की सांठगांठ के चलते पूरे जिले में हरे फलदार पेड़ों की सुरक्षा पखतरे में आ गई है आए दिन हरे फलदार पेड़ लकड़ी माफिया काटकर लकड़िया उठा ले जाते हैं और जांच के नाम पर वन विभाग के अधिकारी ड्रामेबाजी तक सीमित है कोखराज इलाके में एक महीने के बीच सैकड़ों हरे फलदार पेड़ काटने का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नारा इलाके में लकड़ी माफियाओं का गैंग पहुंच गया है और दर्जनों लकड़ी माफिया प्रतिदिन इलाके में हरे फलदार पेड़ काट कर उठा ले जाते हैं और स्थानीय पुलिस के साथ वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मूक दर्शक बने हुए हैं जिससे क्षेत्र के हरे पेड़ों की संख्या दिनों दिन कम होती जा रही है 2 दिन पहले फिर नारा पुलिस चौकी क्षेत्र के थाम्भा गांव के नया पुरवा में महुआ के विशाल हरे फलदार पेड़ को लकड़ी माफियाओं ने इलेक्ट्रॉनिक आरा मशीन से काटकर जमीन पर गिरा दिया और उसकी लकड़ियों को लकड़ी माफिया वाहनों में भरकर उठा ले गए हैं शिकायत के बाद भी चौकी पुलिस और वन विभाग लकड़ी माफियाओं को हरे पेड़ों की लकड़ियों समेत गिरफ्तार नहीं कर सके है जिससे नारा चौकी पुलिस और वन विभाग के रेंजर की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है लोगों ने सूबे के मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए हरे फलदार पेड़ों के कटान पर रोक की मांग की है।

संपादकीय

बुजुर्गों की देखभाल

वरिष्ठ नागरिकों को जो भावनात्मक लगाव और सहारा चाहिए होता है, वह परिवार ही उपलब्ध करा सकता है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि ट्रेनों में यात्रा के लिए वरिष्ठ नागरिकों को कुछ छूट दी गई है और बैंक भी उन्हें अतिरिक्त ब्याज देते हैं क्योंकि इन सुविधाओं को प्राप्त करने वाले वरिष्ठ नागरिक जिस भावनात्मक संबल की तलाश में होते हैं वह प्रायः उन्हें नहीं मिलता। देश भर में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ वृद्धाश्रम स्थापित करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर उनसे इस संदर्भ में जो जानकारी मांगी, वह संतोषजनक होगी, इसमें संदेह है। इस नोटिस के जवाब में राज्यों से हर जिले में वृद्धाश्रम, उनको दी जाने वाली पेंशन और बुजुर्गों के लिए चलाई जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। निःसंदेह राज्य सरकारें बुजुर्गों को पेंशन देने के साथ ही उनके लिए कुछ और योजनाएं भी चलाती हैं, लेकिन अभी हर जिले में वृद्धाश्रम नहीं हैं। यह भी नहीं कहा जा सकता कि सभी राज्यों की ओर से उनकी चिकित्सा के लिए कोई विशेष व्यवस्था की जा सकी है या फिर उन्हें दी जाने वाली पेंशन पर्याप्त है। एक ऐसे समय जब बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है और संयुक्त परिवार टूटने से वे अकेलेपन और उपेक्षा से जूझ रहे हैं, तब सरकारों को उनके प्रति और संवेदनशील बनना होगा। निःसंदेह ग्रामीण भारत में अभी भी बुजुर्गों की देखभाल की स्थिति बेहतर है, क्योंकि वहां अभी भी संयुक्त परिवार अस्तित्व में हैं और इसके चलते उनकी देखभाल होती है। इसके विपरीत शहरों और विशेष रूप से महानगरों में, जहां एकल परिवार का चलन बढ़ रहा है, वहां यह स्थिति नहीं है। इसके कारण बुजुर्ग आर्थिक तंगी से तो दो-चार होते ही हैं, अक्सर उन्हें भावनात्मक रूप से कोई सहारा देने वाला भी नहीं होता। तथ्य यह भी है कि कई तरह की समस्याओं से दो-चार हो रहे सभी बुजुर्ग वृद्धाश्रम में रहने में समर्थ नहीं होते। पर्याप्त संख्या में वृद्धाश्रम भी नहीं हैं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि ट्रेनों में यात्रा के लिए वरिष्ठ नागरिकों को कुछ छूट दी गई है और बैंक भी उन्हें अतिरिक्त ब्याज देते हैं, क्योंकि इन सुविधाओं को प्राप्त करने वाले वरिष्ठ नागरिक जिस भावनात्मक संबल की तलाश में होते हैं, वह प्रायः उन्हें नहीं मिलता। चूंकि विदेश जाने वाले युवाओं की बढ़ती संख्या और देश में ही नौकरी-व्यापार के सिलसिले में दूसरे शहरों में बसने के सिलसिले के चलते आने वाले समय में अकेले रह रहे बुजुर्गों की समस्याएं और बढ़ेंगी। इसलिए सरकार को भी सजग होना होगा और समाज को भी। यह सही है कि सरकारों को बुजुर्गों के लिए और भी बहुत कुछ करना होगा, लेकिन इसी के साथ यह भी समझना होगा कि समाज के संवेदनशील हुए बिना उनकी समस्याओं का समाधान होने वाला नहीं है।

मुलायम सिंह यादव और अटलजी

मुलायम सिंह यादव और अटलजी से मेरा 55-60 साल पुराना संबंध रहा है। मेरे पिताजी श्री जगदीश प्रसाद वैदिक अटलजी से भी ज्यादा घनघोर जनसंघी थे। जनसंघ और संघ के सारे अधिकारी इंदौर में मेरे घर को अपना ठिकाना ही समझते थे। लेकिन 1962 में इंदौर के छात्र नेता के तौर पर मैंने डॉ. राममनोहर लोहिया को अपने इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज में भाषण के लिए बुलवा लिया। उनके भाषण का प्रभाव मुझ पर इतना गहरा हुआ कि मैं उनके अंग्रेजी हटाओ आंदोलन से जुड़ गया। मैं किसी राजनीतिक दल का कभी सदस्य नहीं बना लेकिन हिंदी आंदोलन में 12 साल की उम्र में ही पहली बार गिरफ्तार हुआ। उधर उप्र में मुलायम सिंह यादव 15-16 की उम्र में गिरफ्तार हुए। जब हम मिले तो दोनों का संबंध अत्यंत घनिष्ट हो गया। अब से लगभग 20 साल पहले 28 फरवरीए 2002 की बात है। दिल्ली का हैदराबाद हाउस, जहां प्रधानमंत्री की दावतें होती हैं। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई के सम्मान में दावत थी। करजई के पिता अहद साहब काबुल में मेरे मित्र बन गए थे। जैसे ही अतिथिगण भोज कक्ष में घुसे, प्रधानमंत्री से आमना-सामना हुआ। मैंने पूछा करजई को हमने क्या-क्या दिया? वे बोले ह्ययेे बात तो बाद में हो जाएगी, पहले यह बताइए कि लखनऊ में क्या किया जाए? उन दिनों यह असमंजस बना हुआ था कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री किसे बनाया जाए? मैंने कहा मुलायम सिंह जी को। अटल जी ने कहा- ठीक है। पहले प्रेम से भोजन कीजिए और फिर बताइए। भोजन के बाद सभी अतिथि विदा होने के लिए द्वार के पास नीचे जमा हो गये। प्रधानमंत्री अटलजी ने फिर पूछा तो क्या सोचा आपने? मैंने कहा- "तर्क वही है, जो आपके लिए दिया गया था। सबसे बड़ी पार्टी के नेता को राष्ट्रपति ने बुला लिया, प्रधानमंत्री की शपथ के लिए। लखनऊ में मुलायम सिंह की समाजवादी पार्टी भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री भी उन्हें ही बनाया जाना चाहिए। इतने में पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल हम दोनों के एक दम निकट आ गए। अटल जी ने गुजराल साहब से पूछा- आपकी क्या राय है? उन्होंने कहा- वैदिक जी जो कह रहे हैं, वह बिल्कुल सही है। अटलजी ने तपाक से कहा- सही हो सकता है लेकिन आप दोनों मुलायम सिंह का समर्थन इसलिए कर रहे हैं कि वे आप दोनों के दोस्त हैं। इस चुटकी पर सब हंस दिए। यह वातार्लप अलग-बगल खड़े कई मंत्री सुन रहे थे। उनमें से एक ने कहा- भगवन! प्रधानमंत्री जी को यह आप क्या सलाह दे रहे हैं? मुख्यमंत्री मुलायम पहले दिन ही हमें अंदर कर देंगे। उन्होंने शंकराचार्य को पकड़ लिया, वह हमें क्यों बख्शेंगे? मैंने कहा,- यह जरूरी नहीं।

समाजवादी राजनीति के पुरोधा का अवसान

राजेश माहेश्वरी

> 5 दिसंबर, 1989 को उन्हें लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और मुलायम ने रुंधे हुए गले से कहा था, लोहिया का गरीब के बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का पुराना सपना साकार हो गया है। मुलायम सिंह यादव 1996 में यूनाइटेड फ्रंट की सरकार में रक्षा मंत्री बने

समाजवादी पार्टी के संस्थापक उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव का लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। नेता जी नाम से लोकप्रिय 82 वर्षीय मुलायम सिंह यादव ने राजनीति में एक लम्बी पारी खेली। मुलायम सिंह राजनीति के उन मैदानी खिलाडियों में थे जिन्होंने अपना वैचारिक सफर गैर कांग्रेसवाद के प्रवर्तक डा. राममनोहर लोहिया की रहनुमाई में शुरू किया था लेकिन उनके जीवन का उत्तरार्ध गैर भाजपा राजनीति की सोच के चलते बीता। वे उन-बचे खुचे नेताओं में थे जिन्होंने लोहिया जी की लाल टोपी को जीवित रखा। यहीं नहीं तो संसद में धोती युग के भी वे गिने-चुने प्रतिनिधियों में थे। वे उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य के उन चंद नेताओं में थे जिन्होंने शून्य से शिखर तक की यात्रा अपने बलबूते हासिल की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा, साधारण परिवेश से आए मुलायम सिंह यादव जी की उपलब्धियां असाधारण थीं। धरती पुत्र मुलायम जी जमीन से जुड़े दिग्गज नेता थे। इटावा के सैफई गांव में जन्मे मुलायम सिंह यादव का शुरूआती जीवन इसी जिले के आसपास गुजरा। यहीं उनकी शुरूआती पढ़ाई हुई और इटावा के केके कॉलेज से बीए और बीटी की डिग्री ली। यहीं पर वे लोहिया की समाजवादी विचारधारा के संपर्क में आए और यहीं वे छात्र संघ के अध्यक्ष भी बने। बताते हैं कि जब वे महज 14 साल के थे तो लोहिया ने सिंचाई शुल्क में बढ़ोतरी के खिलाफ आंदोलन चलाया था और मुलायम उस आंदोलन के लिए पहली बार जेल गए। हालांकि उनकी राजनीति का आगाज इतने भर से नहीं हुआ। स्वतंत्र भारत में उत्तर प्रदेश की राजनीति ने जिस मोड़ से अपना रास्ता बदला मुलायम सिंह यादव हमेशा वहीं खड़े दिखाई दिए। वे पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं के प्रतीक बने, साथ ही मुलायम सिंह को राजनीति का एक ऐसा समीकरण रचने का श्रेय भी जाता है, जिसके आगे पुराने सारे समीकरण फीके पड़ गए। इसमें चाहे जनता पार्टी को तोड़ना हो या सरकार बनाने के लिए बहुजन समाज पार्टी को साथ जोड़ना हो। अखाड़े की मिट्टी में बड़े हुए मुलायम सिंह ने अपने पसंदीदा चरखा दांव का राजनीति में भी खूब इस्तेमाल किया। कुश्ती के अखाड़े में छोटे कद के मुलायम सिंह की खासियत यह थी कि वे अपने से बड़े पहलवानों को आसानी से चित कर देते थे। सैफई के पास ही करहल में एक दिन कुश्ती का उनका मुकाबला इलाके के बड़े पहलवान सरयूदीन त्रिपाठी से हुआ। सरयूदीन कद में उनसे काफी लंबे थे, लेकिन मुलायम ने उन्हें भी चित कर दिया। प्रतियोगिता के दौरान वहां जसवंत नगर के विधायक नत्थू सिंह भी मौजूद थे। कुश्ती के बाद नत्थू सिंह मुलायम से मिले और उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। अब वे संयुक्त समाजवादी पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय हो चुके थे। कहा जाता है कि पहलवानी के दौर में अखाड़े के अंदर मुलायम सिंह का प्रिय दांव होता था-चरखा। तब किसने सोचा था कि धोबी पछाड़ का यही दांव वे राजनीति में अपनाएंगे। बाद में उन्होंने आगरा से एमए की डिग्री ली और कुछ समय के लिए अध्यापक हो गए। मुलायम 1967 से लेकर 1996 तक 8 बार उत्तर प्रदेश में विधानसभा के लिए चुने गए। एक बार 1982 से 87 तक विधान परिषद के सदस्य भी रहे। 1996 में उन्होंने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और विजयी हुए। इसके बाद से अब तक 7 बार लोकसभा में पहुंचे, निधन के वक्त भी वह लोकसभा सदस्य थे। 1977 में वह पहली बार यूपी में मंत्री बने थे। तब उन्हें कोऑपरेटिव और पशुपालन विभाग दिया गया। 1980 में लोकदल का अध्यक्ष पद संभाला। 1985-87 में उत्तर प्रदेश में जनता दल के अध्यक्ष रहे। पहली बार 1989 में यूपी के मुख्यमंत्री बने। 1993-95 में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। समाजवादी पार्टी की गिनती राजनीति में बड़े पार्टियों में से एक थी। इस पार्टी की नींव मुलायम सिंह यादव ने रखी थी। साल 1992 में समाजवादी पार्टी का गठन किया था। समाजवादी पार्टी आज पूरे देश में अपना नाम बना चुकी है, जिसका श्रेय मुलायम सिंह को जाता है। आपातकाल लगा तो बाकी विपक्षी नेताओं की तरह ही मुलायम सिंह भी जेल गए। आपातकाल के बाद जनता पार्टी बनी तो मुलायम सिंह यूपी में उसके सबसे सक्रिय सदस्यों में से थे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों ने भारतीय राजनीति को पूरी तरह से बदल दिया था।

इस चुनाव में लोगों ने कांग्रेस और आपातकाल के खिलाफ गुस्सा तो व्यक्त किया ही था, साथ ही लोगों को अपनी वोट की ताकत का एहसास भी हुआ। और इसी के बाद चुनावी समीकरणों में ऊंची जातियों का वर्चस्व भी टूटने लगा। चुनाव के बाद यूपी में जब राम नरेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया तो मुलायम सिंह ने भी पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें सहकारिता और पशुपालन विभाग मिले। पशुपालन और उनकी जाति को लेकर उनका मजाक भी बनाया गया, लेकिन मुलामय सिंह को पता था कि यह पहली सीढ़ी उन्हें बहुत ऊपर ले जाएगी। चैधरी चरण सिंह मुलायम सिंह को अपना राजनीतिक वारिस और अपने बेटे अजीत सिंह को अपना कानूनी वारिस कहा करते थे। लेकिन जब अपने पिता के गंभीर रूप से बीमार होने के बाद अजीत सिंह अमरीका से वापस भारत लौटे, तो उनके समर्थकों ने उन पर जोर डाला कि वो पार्टी के अध्यक्ष बन जाएं। इसके बाद मुलायम सिंह और अजीत सिंह में प्रतिद्वंद्विता बढ़ी. लेकिन उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का मौका मुलायम सिंह को मिला।

5 दिसंबर, 1989 को उन्हें लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और मुलायम ने रुंधे हुए गले से कहा था, लोहिया का गरीब के बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का पुराना सपना साकार हो गया है। मुलायम सिंह यादव 1996 में यूनाइटेड फ्रंट की सरकार में रक्षा मंत्री बने। प्रधानमंत्री के पद से देवेगौड़ा के इस्तीफा देने के बाद वो भारत के प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गए। शेखर गुप्ता ने इंडियन एक्सप्रेस के 22 सितंबर, 2012 के अंक मेंश्मुलायम इज द मोस्ट पॉलिटिकलश लेख में लिखा, नेतृत्व के लिए हुए आंतरिक मतदान में मुलायम सिंह यादव ने जीके मूपनार को 120-20 के अंतर से हरा दिया था। लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी दो यादवों लालू और शरद ने उनकी राह में रोड़े अटकाए और इसमें चंद्रबाबू नायडू ने भी उनका साथ दिया, जिसकी वजह से मुलायम को प्रधानमंत्री का पद नहीं मिल सका। अगर उन्हें वो पद मिला होता तो वो गुजराल से कहीं अधिक समय तक गठबंधन को बचाए रखते। मुलायम सिंह यादव वैसे तो कई सालों से अपनी बनाई पार्टी के संरक्षक की भूमिका में थे। पर उनकी उपस्थिति और मौजूदगी अभी भी अखिलेश यादव और लाखों कार्यकताओं के लिए वटवृक्ष के मानिंद थी। जिसकी छत्रछाया में सपाई नारा लगाते थे जिसने न कभी झुकना सीखा, उसका नाम मुलायम है।

अब मुलायम नहीं रहे। अब उनके बिना सपा के लिए आगे की राह कितनी मुश्किल होगी या सपा आगे कितना बढ़ेगी, यह बहुत कुछ उनके पुत्र अखिलेश यादव के सियासी कौशल पर निर्भर करेगा। नेताजी के न रहने पर अब सपा कार्यकताओं को सदमे से उबारना और चुनाव के लिए तैयार करना सपा के लिए मुश्किल काम है।

नेताजी के साथ कार्यकर्ता व समर्थकों के साथ उनके भावात्मक रिश्ते की डोर को अखिलेश यादव कितनी मजबूती से बांध पाते हैं, इसके लिए उन्हें सावधानी से कदम उठाना होगा। उनके न रहने से उ.प्र की राजनीति में निश्चित रूप से खालीपन आएगा। मुलायम सिंह का चला जाना एक समाजवादी सूर्य के अस्त के सामान है और समाजवादी राजनीति के लिए एक बड़ा झटका भी।

-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है करवा चौथ

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत एक धर्म प्रधान व आस्थावान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं।

करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति औ? उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीघार्यु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। इसीलिये सुहागिन स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करती है। शास्त्रों के अनुसार पति की दीघार्यु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान कर-के अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें। करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्घ्य देकर फिर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया।

इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी। भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन, चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो। बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथ व्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीघार्यु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं। कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथ माता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवाया था।

जी-20 सम्मेलन-यूपी से सीखें बाकी राज्य

आर.के. सिन्हा

भारत में आगामी वर्ष 2023 में आयोजित होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन देश के पर्यटन क्षेत्र को मजबूती देने के लिहाज से एक बेहद अहम अवसर के रूप में सामने आ रहा है। यह सम्मेलन आगामी वर्ष 9 और 10 सितंबर को राजधानी नई दिल्ली में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, ब्रिटेन और अमेरिका के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा अति महत्वपूर्ण व्यक्ति भाग लेंगे। भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी 1 दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक पूरे एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता करेंगे ! इसके साथ ही देशभर में इस साल दिसंबर से ही बैठकों के दौर शुरू हो रहे हैं। ये बैठकें राजधानी दिल्ली के अलावा देश के अन्य प्रमुख शहरों में होंगी। हमारे प्रधानमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत में ताज महल के अलावे भी विश्व को दिखने के लिये बहुत कुछ है ! अतः जी-20 की धमक पूरे देश में दिखने वाली है ! इस लिहाज से करीब 200 तो निर्धारित बैठकें होंगी, जिनमें जी-20 देशों के नुमाइंदे भाग लेंगे। लेकिन, पूरे वर्ष पर्यटकों और राजनयिकों का आना-जाना लगा ही रहेगा कमतलब यह कि ह्लराम नाम की लूट है, लूट सके तो लूटह्व का सन्देश प्रधानमंत्री जी ने सभी राज्यों को दे दिया है। भारत जी-20 के प्रमुख की हैसियत से बांग्लादेश, मिस्त्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और यूएई को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित करेगा। एक मोटे अनुमान के अगले दो सालों तक भारत में जी-20 सम्मेलन की तैयारी और सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्राध्यक्षों, विदेश मंत्रियों, राजनयिकों, विदेशी मामलों के जानकारों, पत्रकारों वगैरह का भारत में आना होगा। 200 से ज्यादा हुई बैठकों के फलोअप के लिये 2023 के बाद भी यह सिलसिला तो कुछ वर्षों के लिये लगा ही रहेगा क इसलिए बेहतर यही होगा कि सब राज्य अपने-अपने पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करें और तैयार रखें ताकि उन्हें विदेशी मेहमान देखे बिना न जा सकें । राष्ट्राध्यक्षों को भी कुछ पर्यटन स्थलों पर लेकर जाया जाएगा। फिलहाल जी-20 सम्मेलन के आलोक में उत्तर प्रदेश (यूपी) सरकार ने कमर कसी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने आला अफसरों को लगातार निर्देश दे रहे हैं ताकि राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे काशी, आगरा, सारनाथ, अयोध्या, मथुरा आदि में विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवा दी जाएं। काशी भारत की धार्मिक और आध्यात्मिक राजधानी है। कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे ने काशी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लिया था। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, हमारी संस्कृति की वाहक भी है। 2500 किलोमीटर की गंगा की धारा के दोनों ओर सैकड़ों नगर बसे हुये हैं ककाशी के 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित सारनाथ है। यह प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थल है। यहीं पर बोध गया में अपना दिव्य ज्ञान प्राप्ति के पश्चात भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था, जिसे धर्म चक्र प्रवर्तन का नाम दिया गया। यह स्थान बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। इसी तरह से बनारस में दर्जनों चर्च और मस्जिदें भी हैं। दिल्ली का पड़ोसी होने के कारण यूपी के पर्यटन क्षेत्र को एक नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। काशी, आगरा, मथुरा, अयोध्या में तो हर साल लाखों पर्यटक आते ही हैं। देखिए भारत के पर्यटन स्थलों में भारतीय पर्यटकों की तो कोई कमी नहीं रहती। इन सबमें पर्याप्त संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। पर असली चुनौती यह है कि भारत में अधिक से अधिक विदेशी पर्यटक आएं। वे आएंगे तो जाहिर है कि वे देश को विदेशी मुद्रा का तोहफा भी देकर जाएंगे। ये भारत या किसी भी अन्य देश के लिए बहुत जरूरी होता है। अभी जी-20 सम्मेलन को देखते हुए यूपी जैसी तैयारी अन्य राज्यों में नहीं दिख रही है।

ट्रॉफिक की किरकिरी

डॉ. सुरेश कुमार

भजनखबरी शकील टकला से बोला झ्र सुन रे टकले! जिंदगी में तीन चीजों में कभी नको फँसो। एक शादी, दूसरी उधारी और तीसरी ट्रॉफिक की किरकिरी। मैं तो अपना दिमाग लगाके कैसिच कि शादी और उधारी से कटा मार के निकल लेरूँ। लेकिन ये पिंडे की मेरी ट्रॉफिक की किरकिरी से तंग आ गया। शकील टकला आँखें बड़ी और दोनों हाथों से खानेदार लुंगी उठाकर लपेटते हुए पूछा अरे खबरू मियाँ! ऐसा तो भी क्या हो गया जो हाय-तौबा करैं? सड़क तुम्हाहे-हमारे बावा (पिता) की तो है नहीं कि हमीच लोगाँ निकलेंगे। इसपे तो सबका हक है। भजनखबरी शकील टकले के कंधे पर हाथ रखते हुए बोला झ्र हाव मियाँ! घर के पास मच्छराँ मारने वालों कु ऑफिस जाने की परेशानियाँ क्या मालूम होतीं। जिंदगी बाहर घसीटे तो मालूम होता। घर में पिछवाड़ा जमाके बैठो तो क्या मालूम होता? सुबे दोपहर का टिफिन लेके निकले तो ऑफिस जाने तक इत्ता टाइम हो रा कि रस्ते मेंई खालेरूँ। गनीमत है कि दूसरों के जैसा रोड पेइच जिंदगी नहीं गुजारूँ। कुछ लोगाँ सुबे निकले तो साढ़े तीन बजे तक रोड पेइच रैते। इस शहर में किधर भी जाना है तो लांग ड्राइव समझके ही जाना। हाइवे बेवकूफाँ चढ़ते। समझदाराँ शहर को ही हाइवे समझते। ओटीटी वालों का धंधा ट्रॉफिक की किरकिरी से बुलंदियों पर है।

मिरजापुर वेब सीरिज देखना शुरू करैतो ऑफिस जाने तक खतम हो जारा। शकील टकला सिर झुकाए तुम्हारा किस्सा सुनैतो मेरेकु रोना आ रा। वो तो अच्छा हुआ कि तुम हाथा-पैराँ टूटे बिना ऑफिस पहुँच जारैं। नहीं तो टीवी में...

बुन्देली सेना ने शोकसभा कर पूर्व मुख्यमंत्री को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव के आकस्मिक निधन पर बुन्देली सेना ने शोक सभा कर उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। बताया कि नेताजी ने ही पहली बार धर्मनगरी को 24 घंटे बिजली और दर्जनों योजनाओं की सौगात दी थी।

मंगलवार को बुन्देली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि नेताजी मुलायम सिंह यादव का चित्रकूट और नानाजी से बेहद लगाव रहा। वह चिंतन शिविर के दौरान आरोग्यधाम में ही रुकते थे। यहां उन्होंने दर्जनों योजनाओं की सौगात दी। सबसे बड़ा संकट उस समय बिजली का था, तब नेताजी ने 24 घंटे बिजली की सौगात दी थी। पिता के नक्शेकदम पर चलकर मुख्यमंत्री कार्यकाल में अखिलेश यादव भी आधा दर्जन से अधिक बार चित्रकूट आए। यहां उन्होंने भी योजनाओं की झड़ी लगाई। रक्षामंत्री के रूप में नेताजी ने व्यवस्था की कि सैनिकों का शव उनके पैतृक गांव भेजा जाएगा। साथ ही डीएम-एसपी की मौजूदगी में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। जबकि इसके पहले तक शहीदों के कपड़े ही उनके घर पहुंचते थे। शोक सभा में दिवंगत नेताजी के स्वर्गारोहण की कामना की गई। नम आंखों के साथ उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर अतुल सिंह, वीपी पटेल, सुरेंद्र सिंह, लाला श्रीवास्तव, कर्वी माफी प्रधान प्रतिनिधि बद्री सिंह, अशोक सिंह समेत आदि लोग मौजूद रहे।

सुरसेन गांव में विकास कार्यों में की गई जमकर लीपापोती

लाखों रुपए खर्च के बाद नहीं पूरा हुआ एसएचजी शेड निर्माण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पहाड़ी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत सुरसेन में ग्राम प्रधान व सचिव की मनमानी खूब देखने को मिली है। जहां पर बिना कार्य पूरा कराए ही सरकारी धन का जमकर बंदरबाट किया गया है।

ग्राम पंचायत सुरसेन में मनरेगा योजना से लगभग 8.49 लाख रूपए की लागत से एसएचजी शेड का निर्माण कार्य कराया जाना था, लेकिन आज तक इस एसएचजी शेड का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। 2020-21 में मनरेगा योजना से सुरसेन गांव में एसएचजी शेड का निर्माण कार्य कराया जाना था, लेकिन ग्राम प्रधान कल्पना मिश्रा व सचिव ज्ञानेंद्र सिंह की मनमानी के चलते आज तक शेड का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। एसएचजी शेड निर्माण कार्य की तरफ जिम्मेदार अधिकारी भी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। अभी तक पहाड़ी ब्लाक में खण्ड विकास अधिकारी का कार्यभार उपायुक्त श्रम एवं रोजगार धर्मजीत सिंह देख रहे थे, लेकिन उनके द्वारा भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। शेड निर्माण कार्य में सरकारी धन का गबन करने वाले ग्राम प्रधान व सचिव के विरुद्ध जिला प्रशासन कब कार्यवाही करने का काम करेगा, यह एक बड़ा सवाल है।

दलदल में तब्दील हुआ मारकुंडी मार्केट

स्टेशन-बैंक जाने में लोगों को हो रही दिक्कतें

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मारकुंडी बाजार पूरी तरह से दलदल में तब्दील हो चुका है। मेन सड़क से मारकुंडी (किहुनिया) मार्केट को जाने वाले मुख्य मार्ग में घुटने भर पानी और कीचड़ भर जाने से आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं। पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से पूरा मार्ग तालाब में बदल गया है। मारकुंडी रेलवे स्टेशन, बैंक, कम्पोजिट विद्यालय आदि जाने का यह इकलौता मार्ग है। इससे प्रतिदिन सैकड़ों यात्री दलदल भरे रास्ते से आने जाने को मजबूर हो रहे हैं।

मानिकपुर ब्लॉक के किहुंनिया ग्राम पंचायत के मेन बाजार का मार्ग तालाब में बदल गया है। पूरा बाजार दलदल व कीचड़ से भर गया है। न चाहते हुए भी भारी परेशानी झेलकर लोग आवागमन कर रहे हैं। लगातार वाहनों की आवाजाही से कीचड़ व गंदा पानी राहगीर के ऊपर गिरने के साथ दुकानों में घुस रहा है।

रास्ते पर भरे पानी के निकासी की कोई भी व्यवस्था नहीं की गई है। जब उक्त रास्ते का निर्माण किया गया था, तब नाली का निर्माण नहीं किया गया था। जिसका नतीजा कि लोग दलदल में खड़े होकर खरीदारी करने को मजबूर हो रहे हैं। डेढ़ दशक पहले बनी सीसी सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं। इससे आने जाने वाले यात्रियों के लिए हमेशा गिरने का खतरा बना रहता है। मजबूरी में ग्रामीणों को आना जाना पड़ रहा है। नाली न होने से घरों से निकलने वाली गंदगी सड़कों पर बह रही है। पानी में घुलकर प्रदूषण को और बढ़ा रही है। यह समस्या कई वर्षों से बनी है, लेकिन किसी भी जिम्मेदार की निगाह इस ओर नहीं जा रही है। कई दिनों से भरा कीचड़ बदबू मार रहा है। इससे संक्रामक बीमारी फैलने का भी भय बना हुआ है। अगर समय रहते पानी नहीं निकाला गया तो लोग बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। मारकुंडी बाजार स्थित ग्रामीण बैंक आर्यावर्त के ग्राहक इसी रास्ते को तय कर बैंक तक पहुंचते हैं। प्रतिदिन क्षेत्र के सैकड़ों उपभोक्ता बैंक के काम से कीचड़ भरे रास्ते के बीच से आते जाते हैं। वृद्ध उपभोक्ताओं को इस रास्ते से निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उपभोक्ताओं ने कहा कि अगर प्रशासन द्वारा जल निकासी की ही व्यवस्था कर दी जाए तो आने जाने में काफी सहूलियत होगी।

झटपट पोर्टल में लम्बित आवेदनों का करायें निस्तारण: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

मंगलवार को डीएम ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नहरों की सिल्ट सफाई के पहले ब्लॉक और तहसील स्तर पर भी बैठक कराएं। आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण में मवई कला, बरवार में कार्य शुरू नहीं हुआ है तो जिला विकास अधिकारी से कहा कि खंड विकास अधिकारी मऊ से संपर्क कर कार्य शुरू कराएं। अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिए की झटपट पोर्टल पर जो आवेदन पत्र लंबित है, उनका निस्तारण समय सीमा के अंदर कराया जाए। उपनिदेशक कृषि से कहा कि जितने सोलर पंपों की स्थापना हो गई है, उसका पोर्टल में फीडिंग कराएं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जितने नए आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं उनका निस्तारण करायें, ताकि पात्र किसानों को लाभान्वित कराया जा सके। जो किसान समय से खरीफ फसल की बुवाई नहीं कर पाए हैं तथा बाढ़ के कारण फसलों का नुकसान हुआ है, वह बीमा कंपनी से संपर्क कर सर्वे करायें और फसल के नुकसान का मुआवजा दिलाया जाए। उन्होंने बीमा कंपनी के अधिकारियों से कहा कि जो सर्वे की रिपोर्ट कृषि विभाग द्वारा दी गई है, उन सभी किसानों को शत प्रतिशत लाभ दिलाएं। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि सामुदायिक शौचालय के उपयोग का सत्यापन कराकर रजिस्टर अपडेट कराएं तथा स्वयं सहायता समूह जो कार्य कर रही हैं, उनका समय से भुगतान कराएं। उन्होंने हैंडपंपों के रिबोर-मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण, ऑपरेशन कायाकल्प, पीएमएफ, परिवार रजिस्टर का डिजिटाइजेशन, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण/शहर, स्वयं सहायता समूहों का गठन, मनरेगा के कार्यों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना, खाद्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राज्य औद्यानिकी मिशन, छात्रवृत्ति वितरण, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, सैम मैम बच्चों की स्थिति, सामाजिक वनीकरण, दुग्ध समितियों का गठन एवं पुनर्गठन, ग्रेड कम्पाटेर्सी, कौशल विकास मिशन, रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, नई सड़कों के निर्माण एवं चैड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं की उपलब्धता आदि विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

ग्रामोदय मेले में 100 से ज्यादा स्कूल हुए शामिल

मेहंदी प्रतियोगिता में 320 छात्राओं ने लिया भाग

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। ग्रामोदय मेला के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। प्रथम दिन सुरेन्द्र पॉल ग्रामोदय विद्यालय में चित्रकूट तथा मझगवां क्षेत्र के 100 से अधिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जिसमें प्रथम दिन मेहंदी में 320, रंगोली में 432 तथा कलश सज्जा में 124 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के स्तर को ध्यान में रखकर प्रतियोगिता को माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक तथा महाविद्यालय समूहों में करायी गयी। दूसरे दिन चित्रकला प्रतियोगिता में 260 व निबंध प्रतियोगिता में 380 बच्चों ने सहभागिता की। चित्रकला प्रतियोगिता में चित्रकूट के प्राकृतिक दृश्य या ग्रामीण परिवेश तथा नशा उन्मूलन व कोई ऐतिहासिक या पौराणिक गाथा विषय पर वर्ग सह प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में विषय मां मंदाकिनी नदी का संरक्षण एवं संवर्धन तथा स्वाधीनता संग्राम में स्थानीय क्रांतिकारियों एवं महापुरुषों का योगदान व भारत रत्न नानाजी देशमुख का व्यक्तित्व व कृतित्व विषय रखे गये।

नाली सफाई न होने से परेशान हैं शास्त्रीनगर के लोग

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। नगर पंचायत मानिकपुर के शास्त्रीनगर मोहल्ले में नालियों पर गंदगी का अंबार लगा है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि लगभग चार महीने से नालियों की सफाई नहीं कराई गई। शास्त्रीनगर में आदर्श इण्टर कालेज के रास्ते में नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं। समाजसेवी रामपाल त्रिपाठी ने बताया कि मोहल्ले में कई नालियां गंदगी से पटी हैं। नगर पंचायत के जिम्मेदार लोगों समेत सभासद को भी इस बारे में बताया गया, लेकिन सफाई नहीं कराई गई। वहीं स्टेशन रोड आदेश इण्टर कालेज रोड की नालियों की सफाई विगत चार माह से नगर पंचायत ने नहीं कराई। इस सड़क पर कालेज, प्राईमरी विद्यालय के बच्चे व स्टेशन आने-जाने वाले लोगों को गंदगी के कारण भीषण दुर्गन्ध का शिकार होना पड़ता है।

मोहल्लेवासियों ने नगर पंचायत के जिम्मेदारों पर भेदभाव का आरोप लगाया है। लोगों ने नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों पर रोष व्यक्त किया है। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी रामपाल त्रिपाठी ने बताया कि वह इस समस्या के समाधान को एसडीएम मानिकपुर से मिलकर समस्या के निदान करवाने और सफाई न करवाने वाले नगर पंचायत के जिम्मेदार लोगों के ऊपर कार्रवाई करवाने की मांग करेंगे।

मल्लखंभ में स्वर्ण पदक जीतने के साथ पदकों के मामले में हरियाणा से आगे निकला महाराष्ट्र

अहमदाबाद। महाराष्ट्र की रूपाली सुनील गंगावने ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 36वें नेशनल गेम्स में मल्लखंभ प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता है। मुंबई की एथलीट ने महिलाओं के व्यक्तिगत ऑल-अराउंड खिताब को अपने नाम करते हुए महाराष्ट्र की महिला टीम के स्वर्ण पदकों की संख्या में इजाफा किया है। 23 साल की रूपाली मल्लखंभ की वर्तमान क्वीन हैं। उन्होंने पोल एंड रोप पर 17.80 प्वाइंट हासिल किए और 0.50 प्वाइंट के अंतर से साथी खिलाड़ी जाह्नवी सुरेश जाधव को पछाड़कर स्वर्ण अपने नाम किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र के नाम 32 स्वर्ण पदक हो चुके हैं और उन्होंने सर्वाधिक पदक की रेस में हरियाणा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

अजातशत्रु शर्मा, एस अल्बर्ट राज, भूमजीत सिंह और ग्यानजीत अरमबम ने साबरमती रिवर में हुए कैनोइंग और कायाकिंग प्रतियोगिता में के4 स्प्रिंट का स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की है। सर्विसेज की टीम ने 52 स्वर्ण पदक के साथ अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। इसके अलावा उन्होंने 33 रजत और 29 कांस्य पदक भी जीते हैं और उनके कुल पदकों की संख्या 114 हो गई है। महाराष्ट्र के पास कुल 122 पदक हो गए हैं जिसमें 32 स्वर्ण शामिल हैं। 31 स्वर्ण पदक जीतने वाली हरियाणा के पास कुल 98 पदक हो गए हैं।

वहीं महाराष्ट्र की पुरुष हॉकी टीम को बड़ी निराशा हाथ लगी है। मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र को फेवरिट माना जा रहा था। तीन गोल से पिछड़ने के बाद महाराष्ट्र की टीम ने शानदार वापसी की थी और मैच को पेनल्टी शूटआउट तक ले गए थे। 22वें मिनट में गोल दागते हुए सुमित ने उत्तर प्रदेश को बढ़त दिलाई थी। दूसरे क्वार्टर के इंजरी टाइम में सुनील यादव ने गोल दागते हुए यूपी की बढ़त को बढ़ाया था। तीसरे क्वार्टर में सात मिनट ही हुआ था कि मनीष यादव ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके महाराष्ट्र को बड़ी मुसीबत में डाल दिया था।

महाराष्ट्र ने 40वें और 47वें मिनट में अनिकेत गुरव तो वहीं 55वें मिनट में सैय्यद नियाज रहीम के गोल की मदद से स्कोर बराबर किया था। शूटआउट में पहले चार प्रयास के बाद दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं।

राजकुमार पाल और राहुल कुमार राजभर ने गोल दागते हुए उत्तर प्रदेश को 2-0 से आगे किया था। दर्शन गावकर और युवराज वाल्मीकि ने महाराष्ट्र की मैच में वापसी कराई।

वेंकटेश केंछे के शॉट को उत्तर प्रदेश के गोलकीपर प्रशांत कुमार ने बचाया तो वहीं ललित कुमार उपाध्याय ने उत्तर प्रदेश के लिए विजयी गोल दागा।

इसके अलावा साबरमती पर अनुभवी रजीना किरो का महिलाओं की के1 500 मीटर स्प्रिंट में छत्तीसगढ़ की कौशल नंदिनी ठाकुर और हरियाणा की पूजा के खिलाफ जीत हासिल करते देखना शानदार रहा। तमिलनाडु की राहाश्री मनोगर बाबू ने मध्य प्रदेश की आध्या तिवारी को आसानी से हराते हुए सॉफ्ट टेनिस विमेंस सिंगल्स का स्वर्ण जीता है। सेमीफाइनल में उन्हें घरेलू राज्य की हेतवी चौधरी के खिलाफ 1-4, 2-4, 4-1, 4-1, 1-4, 9-7, 7-0 से जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी।

पुरुषों की व्यक्तिगत ऑल-अराउंड मल्लखंभ स्वर्ण के लिए हुआ मुकाबला काफी रोचक रहा। महाराष्ट्र के अक्षय तरल (मुंबई) और शुभांकर (पुणे) के बीच हुए मुकाबले ने फैंस को अपनी सीट छोड़कर खड़ा होने पर मजबूर किया। दोनों प्रतियोगियों में हार-जीत का अंतर केवल 0.15 प्वाइंट ही रहा।

रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में दागा 700वां गोल, एवर्टन को 2-1 से हराया

लंदन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरकार इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के इस सत्र में अपना पहला गोल करने में सफल रहे ,जो उनका क्लब फुटबॉल में 700वां गोल है। पुर्तगाल के इस स्टार स्ट्राइकर के गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 2-1 से हराया। रोनाल्डो खेल के 29वें मिनट में चोटिल एंथनी मार्शल की जगह स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और इसके 15 मिनट बाद उन्होंने गोल दाग दिया। यह उनका मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 144वां गोल था।

उन्होंने रियाल मैड्रिड की तरफ से 450 गोल कर रखे हैं जबकि युवेंट्स की तरफ से खेलते हुए

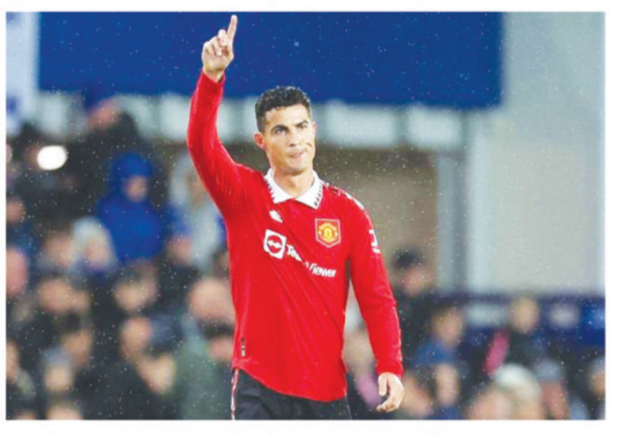

उन्होंने 101 गोल दागे थे। रोनाल्डो ने पांच गोल स्पोर्टिंग की तरफ से भी किए हैं। यूरोपा लीग की तरह यूनाइटेड ने इस मैच में भी पिछड़ने के बाद वापसी की। एलेक्स इवोबी ने एवर्टन को पांचवें मिनट में ही बढ़त दिला दी थी। एंटनी ने 15वें मिनट में यूनाइटेड की तरफ से बराबरी का गोल किया। एक अन्य मैच में आर्सेनल ने लिवरपूल को 3-2 से हराया। बुकायो साको ने 76वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर आर्सेनल को यह महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इस बीच जियानलुका स्कैमका ने वेस्ट हैम की तरफ से अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इटली के इस स्ट्राइकर ने तीसरे मैच में भी गोल दागा जिससे वेस्ट हैम ने फुल्हम को 3-1 से पराजित किया। एक अन्य मैच में क्रिस्टल पैलेस ने लीड्स को 2-1 से शिकस्त दी।

न्यूजीलैंड ने दी पाकिस्तान को करारी शिकस्त, 9 विकेट से जीता मैच

क्राइस्टचर्च। माइकल ब्रेसवेल की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद फिन एलेन और डेवोन कॉनवे की शतकीय साझेदारी से न्यूजीलैंड ने त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट श्रृंखला में पाकिस्तान को 23 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए जिससे उसकी टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 130 रन ही बना पायी। न्यूजीलैंड ने केवल 16.1 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। एलेन (42 गेंदों पर 62 रन, एक चौका, छह छक्के) और कॉनवे (46 गेंदों पर नाबाद 49 रन, पांच चौके) ने पहले विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड की बड़ी जीत सुनिश्चित की। कप्तान केन विलियमसन नौ रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है जिससे उसके भी पाकिस्तान के बराबर चार अंक हो गए हैं। प्रतियोगिता की तीसरी टीम बांग्लादेश को अभी खाता खोलना है। शीर्ष पर रहने वाली दो टीम फाइनल में पहुंचेंगी। ऑफ स्पिनर ब्रेसवेल (11 रन देकर दो विकेट) ने बेहतरीन फॉर्म में चल रहे मोहम्मद रिजवान (16) और कप्तान बाबर आजम (21) को सस्ते में आउट करके पाकिस्तान की पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीदों पर पानी फेरा। मिशेल सैंटनर (27 रन देकर दो) और टिम साउदी (31 रन देकर दो) ने भी दो-दो विकेट लिए। पाकिस्तान यदि सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाया तो उसका श्रेय इफ्तिखार अहमद (27) और आसिफ अली (नाबाद 25) को जाता है जिन्होंने अंतिम ओवरों में कुछ महत्वपूर्ण रन जुटाए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने कहा, सभी देशों की संप्रभुता रक्षा जरूरी

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने राजनयिक संबंधों को और मजबूती देने का संकल्प लिया

कैनबरा। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा है कि सभी देशों की सुरक्षा के साथ उनकी संप्रभुता की रक्षा भी जरूरी है। भारतीय विदेश मंत्री की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच राजनयिक संबंधों को और मजबूती देने का संकल्प लिया गया।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने आपसी बातचीत के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उदार लोकतंत्र के रूप में दोनों देश नियम आधारित

अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में विश्वास करते हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय जल में नेविगेशन की स्वतंत्रता, विकास की दिशा में संपर्क बढ़ाने और सभी की सुरक्षा के साथ देशों को संप्रभु बनाने में विश्वास करते हैं। वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच यूक्रेन में चल रहे विवाद और भारत-प्रशांत क्षेत्र में इसके नतीजों पर भी चर्चा हुई। क्वाड देशों के कामकाज में प्रगति और जी-20 देशों से जुड़े मसलों पर भी चर्चा की गयी।

बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अगले वर्ष जी-20 देशों के अध्यक्ष के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के विचार और हित बहुत महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित स्थलों को सजाकर भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने में भारत के साथ जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया का आभार व्यक्त किया। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में समझौतों पर भी चर्चा हुई। कहा गया कि दोनों देश एक दूसरे के देश में राजनयिक गतिविधियों का भी विस्तार करेंगे।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर संकट : 15 दिन के भीतर चौथी हिंदू लड़की का अपहरण

- पाकिस्तान के अल्पसंख्यक परेशान, सरकार में उनकी सुनवाई नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 15 दिन के भीतर अब चौथी हिंदू लड़की का अपहरण कर लिया गया है। इन घटनाओं को लेकर पाकिस्तान के अल्पसंख्यक खासे परेशान हैं, किन्तु सरकार में उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

पाकिस्तान में इस समय अल्पसंख्यकों और उनमें भी विशेषकर हिंदू लड़कियों का अपहरण कर उन्हें जबरन इस्लाम स्वीकार करने पर मजबूर किया जा रहा है। अब पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 15 साल की एक हिंदू लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। अपहृत

लड़की के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि लड़की का अपहरण हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से किया गया है।

पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी लड़की का अब तक पता नहीं चल सका है। बीते 15 दिनों में पाकिस्तान में यह चौथी लड़की है, जिसका अपहरण हुआ है। 24 सितंबर को नसरपुर इलाके से एक 14 साल की लड़की का अपहरण कर लिया गया था। इसी समय मीरपुर खास में भी एक अन्य हिंदू लड़की का अपहरण किया गया था। इन सभी लड़कियों का अब तक पता नहीं चल सका है। पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का अपहरण नई बात नहीं है। पाकिस्तान की कुल आबादी में साढ़े तीन प्रतिशत हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक हैं। पाकिस्तान में इन अल्पसंख्यकों के साथ क्रूरता, हिंसा, दमन और जबरन धर्मांतरण के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। अल्पसंख्यक हिंदू लगातार प्रदर्शन कर अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा की बात कर रहे हैं, किन्तु इस ओर सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है।

किम-जोंग-उन को दक्षिण कोरिया ने दी चेतावनी, उत्तर कोरिया की मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है हमारा देश

यरूशलम। सियोल। दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया द्वारा हाल में छोड़ी गयी विभिन्न मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने में समक्ष है। साथ ही उसने पड़ोसी देश के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर सुरक्षा खतरा बताया। उत्तर कोरिया ने अपने विरोधियों पर परमाणु हमले के प्रतीकात्मक रूप में हाल में कई मिसाइलें छोड़ी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि मिसाइलें छोड़ने के उसके दो हफ्तों के अभ्यास में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के ठिकानों पर संभावित हमले में परमाणु क्षमता से संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल, युद्धक विमान और अन्य हथियार शामिल रहे।उत्तर कोरिया ने कहा है कि हाल में किए गए उसके कई सारे मिसाइल प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के लिए ''एक स्पष्ट चेतावनी'' थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने अमेरिका के साथ मिलकर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया से परमाणु खतरा ''दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है।'' उन्होंने सियोल में अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, ''उत्तर कोरिया लगातार परमाणु हथियार क्षमताएं

विकसित कर रहा है और अब वह न केवल दक्षिण कोरिया बल्कि पूरी दुनिया को धमका रहा है लेकिन मुझे लगता है कि उत्तर कोरिया को परमाणु हथियारों से कुछ हासिल नहीं होने वाला।''दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय में कार्यवाहक प्रवक्ता मून होंग सिक ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों को ''बेहद गंभीर'' बताया। साथ ही उन्होंने पत्रकारों से कहा कि दक्षिण कोरिया की मिसाइल रक्षा प्रणाली उत्तर कोरियाई मिसाइलों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने में सक्षम है। मून ने कहा कि उत्तर कोरिया पर बेहतर तरीके से नजर रखने के लिए दक्षिण कोरिया खुफिया उपग्रह, विभिन्न निगरानी ड्रोन और अतिरिक्त समुद्र आधारित टोही हथियार पेश करने पर ध्यान दे रहा है।

यूक्रेन नए एयर डिफेंस सिस्टम भेज रहा जर्मनी, लंबे समय से किया वादे को किया पूरा

बर्लिन। यूक्रेन पर रूस के ताजा मिसाइल से हमलों के बीच जर्मनी ने नए एयर डिफेंस सिस्टम देने के वादे को पूरा करते हुए भेजने की बात कही है। जानकारी के अनुसार यह एयर डिफेंस सिस्टम पूरे शहर की रक्षा करने में सक्षम है। नवीनतम हमलों को घृणित बताते हुए, जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक ने ट्विटर पर लिखा कि हम यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि इसी साल जून में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने अत्यधिक आधुनिक आईरिस-टी सिस्टम देने यूक्रेन का वादा किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि हवाई हमलों से एक बड़े शहर को बचाने में सक्षम थे। जर्मनी को साल के अंत तक कई मिसाइल शील्ड सिस्टम देने की उम्मीद थी, लेकिन रक्षा मंत्री क्रिस्टीन लैंब्रेच ने कहा कि पहला अब आने वाले दिनों में लोगों की प्रभावी सुरक्षा के लिए तैयार होगा। कीव और कई अन्य शहरों पर नवीनतम रॉकेट हमले स्पष्ट रूप से यूक्रेन को वायु रक्षा प्रणालियों के तेजी से वितरण के महत्व को रेखांकित करते हैं। उन्होंने बताया कि आईरिस-टी प्रणाली में 20 किलोमीटर (12 मील) की ऊंचाई और 40 किलोमीटर की चौड़ाई में फैली ढाल की सीमा होती है।

इस्लामाबाद के सबसे बड़े मॉल में लगी भीषण आग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सेंटोरस इमारत में आग लग गई है। इस इमारत में राजधानी का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल भी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है और आग पर काबू पा लिया गया है तथा आगे की जांच के लिए इसे सील कर दिया

गया है। आग को बुझाने के अभियान की निगरानी करने वाले राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) के प्रमुख मोहम्मद उस्मान यूनिस ने कहा कि आग पर दो घंटे में काबू पाया गया। उन्होंने कहा कि दमकल, पाकिस्तानी नौसेना, पाकिस्तानी वायु सेना, रेक्स्यू 1122 ने आग बुझाने वाले अभियान में हिस्सा लिया। पुलिस के मुताबिक, मॉल के क्षेत्र में स्थित फूड कोर्ट में स्थित एक रेस्तरां में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी जो इमारत के रिहायशी मंजिलों तक पहुंच गई। टीवी पर प्रसारित तस्वीरों में इमारत से धुआं निकलता दिख रहा है जबकि अन्य क्लिप में लोग मॉल की लिफ्ट के जरिए इमारत से बाहर आने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इस्लामाबाद के उपायुक्त इरफान नवाज मेमन ने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है क्योंकि अधिकारी विभिन्न मंजिलों पर फंसे लोगों को बचाने में सफल रहे। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने ट्विटर पर कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह घटना इस प्रसिद्ध व्यापार केंद्र में हुई। मैं दुआ करता हूं कि जान का नुकसान न हो।

चीन में कोरोना का नया खतरा, कई प्रांतों में फैले ओमिक्रॉन के दो नये प्रारूप

बीजिंग। पूरी दुनिया कोरोना महामारी को लेकर थोड़ा राहत की सांस लेने लगी थी, तभी चीन में कोरोना का नया खतरा मंडराने लगा है। चीन के कई प्रांतों में ओमिक्रॉन के दो नए प्रारूप फैलने के बाद एक बार फिर कोरोना को लेकर दहशत बढ़ गयी है।

ओमिक्रॉन को कोराना का जानलेवा प्रारूप माना जाता है। अब चीन के कई राज्यों में ओमिक्रॉन के दो नए प्रारूपों बीएफ.7 और बीए.5.1.7 की पुष्टि होने से हड़कंप मच गया है। बताया गया कि दोनों ही प्रारूप अत्यधिक संक्रामक है। ओमिक्रॉन का बीएफ.7 प्रारूप तो चीन के कई प्रांतों में फैल भी चुका है। स्थानीय रोग रोकथाम और नियंत्रण केंद्र के उप निदेशक ली शुजियान ने बताया कि ओमिक्रॉन के बीएफ.7 प्रारूप की पुष्टि सबसे पहले उत्तर पश्चिमी चीन में हुई थी जबकि ओमिक्रॉन के बीए.5.1.7

प्रारूप की भी पुष्टि हो चुकी है।

इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से भी ओमिक्रॉन के बीएफ.7 प्रारूप को लेकर चेतावनी जारी की गयी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से कहा गया है कि ओमिक्रॉन का बीएफ.7 प्रारूप तेजी से कोरोना के नये संस्करण का सृजन कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक विशेषज्ञ ने कहा है कि ओमिक्रॉन के बीएफ.7 प्रारूप की रोकथाम के जल्द उपाय नहीं किये गये तो यह जल्दी ही पूरे चीन को अपनी चपेट में ले सकता है।

चीन में कोरोना को लेकर यह भयावहता तब है, जब चीन में अब भी जीरो कोविड नीति लागू है। दुनिया भर के तमाम देश कोरोना प्रतिबंधों से बाहर आ चुके हैं किन्तु चीन आज भी अपने सभी नागरिकों पर प्रतिबंध लागू करता है। स्वयं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पिछले दिनों इन प्रतिबंधों का पालन करना पड़ा था। इसके तहत सीमा पर प्रतिबंध लगाने के साथ सामूहिक परीक्षण, व्यापक क्वारंटाइन और लॉकडाउन लागू करने जैसे नियम शामिल किए गए हैं। इस कारण चीन के नागरिकों को कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है।

अफगानिस्तान के फैजाबाद में भूकंप से अफरा-तफरी

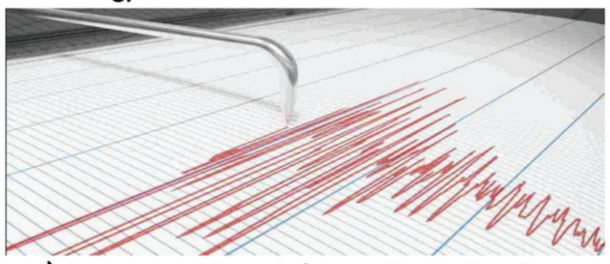

फैजाबाद। अफगानिस्तान के फैजाबाद में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। मंगलवार सुबह लगे भूकंप के झटकों से अफरा-तफरी मच गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई है। भूकंप फैजाबाद से 89 किलोमीटर पूर्व दिशा में आया और इसकी गहराई 112 किलोमीटर थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट कर बताया कि मंगलवार सुबह 4 बजकर 53 मिनट पर भूकंप के झटके लगे। इसकी तीव्रता 5.1 थी। भूकंप से कितना नुकसान हुआ है, अभी इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। यूएन ऑफिस फॉर कोआर्डिनेशन ऑफ ह्यूमैनिटेरियन अफेयर्स के अनुसार अफगानिस्तान में साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोग भूकंप के उच्च तीव्रता वाले प्रभाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। एक लाख से ज्यादा लोग इससे सीधे प्रभावित हैं। इससे पहले 22 जून को पश्चिमी-पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप आया था। इसमें काफी नुकसान हुआ था। इसके बाद 18 जुलाई को भी भूकंप के झटके लगे थे। इसकी तीव्रता 5.1 थी। 22 जून को आए भूकंप में एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 थी।

रूस को भारत का झटका: संयुक्त राष्ट्र महासभा में खारिज की पुतिन की मांग, विरोध में किया मतदान

न्यूयॉर्क। यूक्रेन पर रूसी हमले के मामले में भारत ने रूस को जोरदार झटका दिया है। संयुक्त राष्ट्र संघ में पुतिन की मांग खारिज करते हुए भारत ने रूस के खिलाफ मतदान किया है।

यूक्रेन के चार प्रांतों का रूस में विलय किये जाने के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा में अल्बानिया की ओर से एक मसौदा प्रस्ताव लाया गया। इस प्रस्ताव में रूस की निंदा करते हुए खुले मतदान की मांग की गई । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन इस मसौदे पर गुप्त मतदान चाहते थे और संयुक्त राष्ट्र के रूसी प्रतिनिधि इसी मांग पर अड़े थे। पुतिन की इस मांग को भारत ने खारिज कर दिया और रूस की मंशा के विरोध में मतदान भी कर दिया है। भारत सहित संयुक्त राष्ट्र संघ के 108 सदस्य देशों ने खुले मतदान के पक्ष में मतदान कर गुप्त मतदान की रूस की मांग को खारिज कर दिया। सिर्फ 13 देशों ने गुप्त मतदान के लिए रूस के पक्ष में मतदान किया। चीन सहित 39 देशों ने इस प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया।

संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष क्साबा कोरोसी पर ही सवाल खड़े कर दिये। उन्होंने संयुक्त संघ की सदस्यता को एक अपमानजनक धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि दुर्भाग्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस को अपना पक्ष रखने का मौका ही नहीं दिया

गया। उल्लेखनीय है कि भारत पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अल्बानिया की ओर से पेश किये गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा था। इस प्रस्ताव में रूस के जनमत संग्रह और यूक्रेनी क्षेत्रों पर उसके कब्जे की निंदा की गई थी। इस प्रस्ताव में मांग की गई थी कि रूस, यूक्रेन से अपने सैन्य बलों को तत्काल वापस बुलाए।

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, भारतीयों को बेवजह यात्रा नहीं करने की दी सलाह

कीव। रूस के ताजा हमलों और क्रीमिया पुल पर हुए विस्फोट के बाद यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में यूक्रेन में रह रहे भारतीयों को बेवजह यात्रा न करने की सलाह दी गई है। भारत ने यूक्रेन संघर्ष फिर भड़कने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युद्ध किसी के भी हित में नहीं है और सभी पक्षों को शत्रुता त्याग कर तत्काल कूटनीति एवं संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। यूक्रेन में रूस के ताजा मिसाइल हमले को लेकर मीडिया के सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह बात कही। बागची ने कहा कि हम सभी पक्षों से तत्काल शत्रुता छोड़ने तथा कूटनीति एवं संवाद के मार्ग पर लौटने की अपील करते हैं । भारत स्थिति सामान्य बनाने की दिशा में ऐसे सभी प्रयासों का समर्थन करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष के भड़कने से

भारत काफी चिंतित है जिसमें आधारभूत ढांचे को निशाना बनाया गया और नागरिकों की मौत हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि संघर्ष की शुरुआत के बाद से भारत ने सतत रूप से कहा है कि वैश्विक व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून एवं सभी देशों की सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के आधार पर चलती है। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत उसके कई शहरों पर हमला किया जिसमें नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

इंफोसिस के अध्यक्ष रवि कुमार एस ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी इंफोसिस के अध्यक्ष रवि कुमार एस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। इंफोसिस ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बताया है कि रवि कुमार एस ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, कंपनी ने उनके इस्तीफा देने के पीछे की वजह नहीं बताई है। इंफोसिस के निदेशक मंडल ने कंपनी में उनके योगदान की सराहना की है।

रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले पुल को उड़ाना आतंकी कृत्यः पूतिन

-हमें नष्ट करने और पृथ्वी से मिटाने की कोशिश कर रहा रूस: जेलेंस्की

कीव। रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले कर्च पुल को जोरदार धमाके से उड़ाने के जवाब में रूसी मिसाइल हमले के बाद अब दोनों देशों के बीच युद्ध तीव्र स्वरूप ले रहा है। अब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस से निपटने के लिए जी-7 नेताओं के साथ आपात बैठक करने का फैसला लिया है।

यूक्रेन पर रूसी हमले के आठवें महीने में युद्ध तेज गति से और नए तरीके से आगे बढ़ रहा है। यूक्रेन के चार प्रांतों के विलय की रूसी घोषणा के बाद यूक्रेन ने बीते शनिवार को रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाला कर्च पुल जोरदार धमाके के

साथ उड़ा दिया था। क्रीमिया पर रूस के कब्जे का प्रतीक माने जाने वाले इस पुल को उड़ाया जाना रूस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इस पुल के रास्ते ही यूक्रेन में मौजूद रूसी सैनिकों तक विविध प्रकार की सामग्री की आपूर्ति हो रही थी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पूतिन ने इस पुल को उड़ाने की जांच करने वाली समिति के अध्यक्ष अलेक्जेंडर बैस्ट्रीकिन के साथ बैठक कर इस घटना को आतंकी कृत्य करार दिया।

उन्होंने कहा कि इस हमले का उद्देश्य महत्वपूर्ण आधारभूत नागरिक ढांचे को नष्ट करना था। पुल उड़ाने का बदला रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में एक साथ हमला करके लिया है। यूक्रेन की राजधानी कीव और लीव, डेनीप्रो, जाइटोमिर, जापोरिज्जिया सहित कई प्रमुख शहरों में अचानक तेज आवाज के साथ जोरदार धमाके हुए। रूस ने एक साथ 12 आत्मघाती ईरानी ड्रोन यूक्रेन में तबाही मचाने के लिए भेजे थे। इन धमाकों में सैकड़ों लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आ रही है।

जोरदार रूसी हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि पूरे यूक्रेन में हुए विस्फोटों में भारी जनहानि हुई है। उन्होंने कहा कि रूस हमें नष्ट करने और पृथ्वी के चेहरे से मिटा देने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद उन्होंने जी-7 देशों की आपात बैठक करने की बात भी कही। इस घटनाक्रम के बाद जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने जी-7 देशों के नेताओं की आपात बैठक की बात कही थी। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि वे जी-7 समूह की तत्काल बैठक करने के लिए स्कोल्ज की बात से सहमत हैं।